MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd

Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 05 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-303

अग्निवीरों की दिवाली

अब 6 साल सेवाकाल, वेतन वृद्धि भी

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने अग्निपथ योजना में बड़ा बदलाव करते हुए चार साल की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल देने का फैसला किया है। इससे पहले चार साल की सेवा के बाद बाहर होने वाले 75 प्रतिशत अग्निवीरों को अब दो साल और सेवा करने का अवसर मिलेगा। इस दौरान उन्हें पहले से अधिक वेतन और सेवा निधि में सरकार की ओर से ज्यादा योगदान भी दिया जाएगा। हालांकि, नियमित सैनिक बनने का रास्ता अभी भी निर्धारित चयन प्रक्रिया से होकर ही गुजरेगा।

दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने अग्निवीरों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चार साल की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल देने की व्यवस्था को मंजूरी दी है।



यह बदलाव ऐसे समय किया गया है, जब पहले बैच के करीब 24,400 अग्निवीर अपनी चार साल की सेवा पूरी करने के करीब थे। पुरानी व्यवस्था के तहत इनमें से 75 प्रतिशत यानी लगभग 18,300 जवानों को सेवा से बाहर होना था। अब इन अग्निवीरों को दो साल और सेवा करने का अवसर मिलेगा।

नौसेना के पहले बैच की सेवा 21 नवंबर, वायु सेना के पहले बैच की 25 दिसंबर और थल सेना के पहले बैच की सेवा 31 दिसंबर को पूरी होने वाली थी।

पहले अग्निवीरों की सेवा अवधि चार साल निर्धारित थी। इसमें करीब छह महीने का प्रशिक्षण और साढ़े तीन साल की वास्तविक सेवा शामिल थी। चार साल पूरे होने पर प्रदर्शन और चयन के आधार पर अधिकतम 25 प्रतिशत अग्निवीरों को नियमित संवर्ग में शामिल किया जाना था। शेष 75 प्रतिशत को सेवा निधि पैकेज देकर नागरिक जीवन में लौटना पड़ता था।

नई व्यवस्था के तहत इन 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल मिलेगा। इस तरह वे कुल छह साल तक सेवा कर सकेंगे। इसके बाद उन्हें नियमित सैनिक बनने का एक और अवसर मिलेगा।

हालांकि, यह नियुक्ति स्वतः नहीं होगी। इसके लिए अग्निवीर की इच्छा और सेना के निर्धारित चयन मानदंडों को पूरा करना जरूरी होगा!

नई व्यवस्था में अतिरिक्त कार्यकाल के दौरान अग्निवीरों को पहले से अधिक वेतन दिया जाएगा। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि की जानकारी के मुताबिक, दूसरे चरण के पहले साल में अग्निवीरों को 43,500 रुपये और दूसरे साल में 47,500 रुपये वेतन मिलेगा।

सेवा निधि पैकेज में भी सरकार का योगदान बढ़ाया जाएगा। पहले सरकार अग्निवीर के योगदान के बराबर 30 प्रतिशत राशि देती थी, लेकिन अतिरिक्त दो साल की अवधि में यह योगदान बढ़कर 70 प्रतिशत हो जाएगा। इसके अलावा वरिष्ठता से जुड़े लाभ भी मिलेंगे।

हालांकि, दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल पूरा करने के बाद नियमित संवर्ग में शामिल होने वाले अग्निवीरों की वरिष्ठता पहले चरण में योग्यता के आधार पर चुने गए 25 प्रतिशत जवानों से कम होगी।

क्या स्थायी नौकरी का रास्ता आसान हुआ?

अतिरिक्त दो साल की सेवा मिलने का अर्थ यह नहीं है कि सभी अग्निवीरों को स्थायी नौकरी मिल जाएगी। नियमित संवर्ग में शामिल करने का अधिकतम 25 प्रतिशत वाला पुराना प्रावधान जारी रहेगा।

नए बदलाव के तहत शेष अग्निवीरों को भी दो साल का अतिरिक्त अनुभव हासिल करने और चयन प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

▶8पर

इजरायल के राष्ट्रपति ने सुनाई खरी-खरी, नतीजे मंजूर

नेतन्याहू वोट चोरी



नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

इजरायल के आम चुनाव के आधिकारिक परिणाम बुधवार को केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति नोअम सोहलबर्ग ने राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग को सौंप दिए। इसके साथ ही नई सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी और उनके सहयोगियों ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाते हुए परिणाम जारी करने पर रोक लगाने की मांग की थी। इस चुनाव में किसी भी दल या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। ऐसे में राष्ट्रपति की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।

चुनाव परिणामों पर संदेह लोकतंत्र के लिए खतरा

राष्ट्रपति निवास में आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति सोहलबर्ग ने चुनाव परिणामों पर संदेह जताने की कोशिशों को लोकतंत्र के लिए वास्तविक खतरा बताया।

उन्होंने कहा, हाल के दिनों में हमने ऐसी आवाजें सुनी हैं, जो चुनाव परिणामों पर संदेह जता रही हैं और उनकी वैधता को कमजोर कर रही हैं। यह वास्तविक खतरा है। लोकतंत्र की नींव में सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण शामिल है, जो मतदाताओं की इच्छा के सम्मान से आता है।

सोहलबर्ग ने जोर देकर कहा कि भले ही चुनावी धोखाधड़ी के संदेह साबित हो जाएं, लेकिन उनका संभावित प्रभाव इतना सीमित है कि चुनाव परिणामों को अमान्य नहीं ठहराया जा सकता।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के आधार स्तंभों में से एक सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण है। यह इस विश्वास पर आधारित है कि मतदाताओं की इच्छा सभी के लिए बाध्यकारी होती है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी और उनके गठबंधन सहयोगियों ने चुनावी धांधली का आरोप लगाते हुए परिणाम जारी करने पर रोक लगाने की मांग की थी।

सोहलबर्ग ने बताया कि बुधवार सुबह केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्यों के सामने आरोपों की जारी जांच का सार प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि इन संदेहों की पूरी तरह जांच होनी चाहिए।

उनके अनुसार, फिलहाल ये केवल संदेह हैं। यदि ये सच भी साबित होते हैं, तो उनका प्रभाव काफी सीमित होगा। ऐसे में चुनाव परिणाम जारी न करना और उस नेसेट यानी संसद का कार्यकाल बढ़ाना संभव नहीं है, जिसका कार्यकाल पहले ही समाप्त हो चुका है।

उन्होंने कहा कि इसलिए चुनाव परिणाम जारी किए जा रहे हैं। यदि आगे कोई सबूत मिलता है, तो कानून में निर्धारित प्रक्रिया के तहत चुनाव परिणामों को चुनौती दी जा सकती है।

अरब समुदाय के मतदान पर संदेह न करें

सोहलबर्ग ने अरब समुदायों में हुए मतदान पर संदेह नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हमें अरब समाज में हुए मतदान पर कोई संदेह नहीं करना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे इजरायली समाज के किसी अन्य समूह के मतदान पर संदेह नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मतगणना समाप्त होने के बाद भी मतभेद बने रह सकते हैं, लेकिन चुनाव परिणाम सभी पर लागू होते हैं और उनका सम्मान करना जरूरी है।

इस बीच राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग ने कहा कि उन्हें शिन बेट सुरक्षा एजेंसी, पुलिस और अन्य कानून लागू करने वाली एजेंसियों के काम पर पूरा भरोसा है। ये एजेंसियां चुनाव में विदेशी हस्तक्षेप के आरोपों की जांच कर रही हैं। ▶8पर

राहुल ने कहा, मुँह से आती थी बू

मान खुद शराबी!



चंडीगढ़, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी राज्य के दौरे पर पहुंचे। संगरूर में आयोजित इंसाफ रैली में उन्होंने पंजाब की कानून-व्यवस्था, नशे की समस्या और केंद्र सरकार को लेकर आम आदमी पार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। इस दौरान राहुल गांधी ने पंजाब में बढ़ती नशे की समस्या पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि जब उन्होंने करीब एक साल पहले पंजाब में नशे की समस्या बढ़ने की बात कही थी, तब कई राजनीतिक दलों ने कहा था कि उन्हें पंजाब की समझ नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि पंजाब में उद्योग और बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी है, अन्यथा राज्य में नशे और गैंगस्टरवाद की समस्या बढ़ती रहेगी। आज राज्य में कृत्रिम मादक पदार्थ सबसे बड़ा मुद्दा बन चुके हैं।

आम आदमी पार्टी की सरकार पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी ने पंजाब से नशा खत्म करने का वादा किया था, लेकिन वह इसमें पूरी तरह नाकाम रही है। मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, वह लोकसभा में मेरे पास बैठकर चुटकुले सुनाते थे और सुबह 11 बजे भी उनके मुंह से शराब की बू आती थी।

राहुल गांधी ने कहा कि शराब पीना किसी का निजी मामला हो सकता है, लेकिन यदि आपको नशे के खिलाफ लड़ाई लड़नी है, तो मुख्यमंत्री हर शाम खुद नशे में नहीं रह सकता। पंजाब को ऐसे मुख्यमंत्री की जरूरत है, जो राज्य के लोगों का दर्द महसूस कर सके। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह दावा करते हैं कि वह तीन साल में नशे की समस्या खत्म कर देंगे, लेकिन तब तक वह गृह मंत्री नहीं रहेंगे, क्योंकि यह सरकार एक साल के भीतर ही चली जाएगी। ▶8पर

ट्रंप अभी जिंदा हैं!

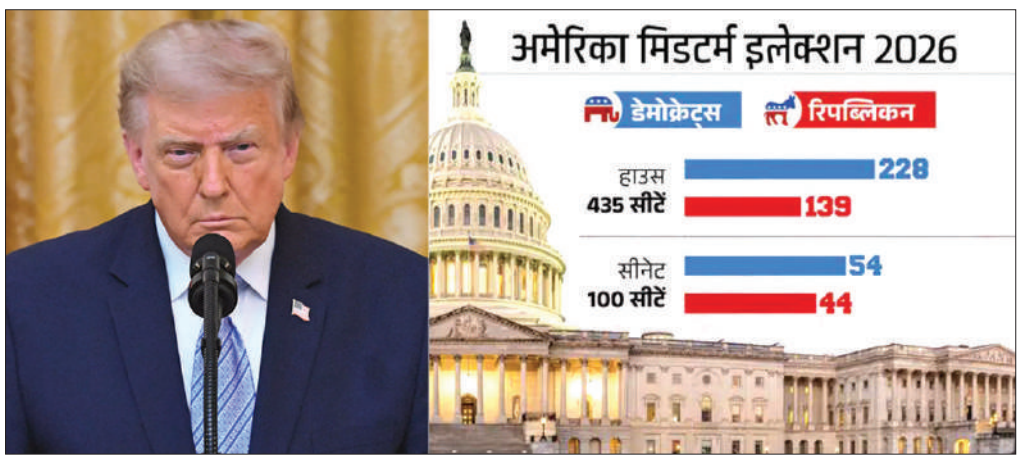
करारी हार के बावजूद बने रहेंगे राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यावधि चुनाव में हार गए हैं। उनकी रिपब्लिकन पार्टी अमेरिकी संसद में अल्पमत में आ गई है।

हालांकि, ट्रंप अपना दो साल का शेष कार्यकाल पूरा करेंगे, लेकिन आने वाले समय में उनके लिए सरकार चलाना आसान नहीं होगा। उन्हें कई राजनीतिक और प्रशासनिक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। डेमोक्रेटिक पार्टी उनके प्रत्येक फैसले पर सवाल उठा सकती है और नए कानूनों को पारित कराने में रुकावट डाल सकती है।

मध्यावधि चुनाव के नतीजे डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में रहे हैं। प्रतिनिधि सभा की कुल 435 सीटों में से खबर लिखे जाने तक डेमोक्रेट्स 228 सीटें जीत चुके हैं, जो बहुमत से 10 सीट अधिक हैं। वहीं, ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को 139 सीटें मिली हैं। पिछली बार रिपब्लिकन पार्टी के



पास 220 सीटें थीं। इस बार उसकी स्थिति काफी कमजोर हो गई है।

इसके अलावा सीनेट की 100 में से 35 सीटों पर भी चुनाव हुए थे। इनके परिणामों ने डेमोक्रेट्स को बहुमत दिला दिया है। ताजा जानकारी के अनुसार, चुनाव परिणामों के बाद सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों की संख्या 54 हो गई है, जबकि रिपब्लिकन पार्टी 44 सीटों पर सिमट गई है।

इस तरह अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी अपना बहुमत खो चुकी है और विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत मिल गया है।

यह केवल सामान्य बहुमत नहीं है, बल्कि डेमोक्रेट्स ने बहुमत से अधिक सीटें हासिल कर जनता के बदले हुए रुझान का संकेत दिया है।

वर्ष 1938 के बाद हुए 22 मध्यावधि चुनावों में से 20 बार तत्कालीन राष्ट्रपति की पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। अब इस सूची में डोनाल्ड ट्रंप का नाम भी दूसरी बार जुड़ गया है। अपने पिछले कार्यकाल में भी वह मध्यावधि चुनाव हार चुके थे।

ट्रंप को इस झटके का अंदाजा पहले से था। मध्यावधि चुनावों को मौजूदा सरकार के कामकाज की समीक्षा के रूप में देखा जाता है। सीटों में थोड़ा-बहुत उतार-चढ़ाव सामान्य माना जाता है, लेकिन इस बार डेमोक्रेट्स को मिले बहुमत से ट्रंप को बड़ा राजनीतिक नुकसान पहुंचा है।

इस हार की तीन प्रमुख वजहें बताई जा रही हैं। पहली, पेट्रोल की बढ़ती कीमतें। दूसरी, रोजमर्रा की वस्तुओं के महंगे दाम और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी समस्याएं। तीसरी, ईरान युद्ध।

दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने के बाद ट्रंप ने अपने सख्त फैसलों के आधार पर सरकार चलाई थी। इसकी बड़ी वजह संसद के दोनों सदनों में उनकी पार्टी का बहुमत होना था। अब राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं। विपक्ष के बहुमत में आने से सरकार के कामकाज में कई बाधाएं आ सकती हैं। ▶8पर

कोटा रोटेशन हो!

संसद का अधिकार क्षेत्र : सुप्रीम



नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित लोकसभा तथा विधानसभा सीटों को बारी-बारी से बदलने की मांग लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे याचिकाकर्ता को बुधवार को निराशा हाथ लगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने उनकी याचिका खारिज कर दी।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने हल्के-फुल्के अंदाज में याचिकाकर्ता से कहा, आप गलत जगह आ गए हैं। आजकल तो धरना-प्रदर्शन का दौर चल रहा है, आपको भी ऐसा ही करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह विरोध-प्रदर्शन का एक अच्छा आधार हो सकता है। हालांकि, अदालत ने याचिकाकर्ता को जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर आरक्षित सीटों पर रोटेशन व्यवस्था लागू करने की मांग उठाने का रास्ता सुझाया।

याचिकाकर्ता जगदीश सिंह ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लगातार अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रहने को चुनौती दी थी। उनका दावा था कि यह सीट निर्वाचन क्षेत्र के गठन के बाद से करीब सात दशकों तक आरक्षित रही है। उन्होंने मांग की थी कि संसद और राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों को निश्चित समय के बाद बदला जाना चाहिए। ▶8पर

अब्दुल्ला परेशान!

10 से 15 नाराज विधायकों ने की गुप्त बैठक



श्रीनगर, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर की सियासत में नेशनल कॉन्फ्रेंस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा हाल ही में किए गए मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद पार्टी के भीतर की दरार खुलकर सामने आ गई है। बुधवार को श्रीनगर में नाराज विधायकों की एक और गुप्त बैठक हुई, जिसमें पार्टी के 10 से 15 असंतुष्ट विधायक शामिल हुए। इस बैठक में विधायकों ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए आगे की रणनीति पर चर्चा की। मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद असंतुष्ट विधायकों की बंद कमरे में यह तीसरी बैठक थी। दरअसल, 27 अक्टूबर को महीनों के इंतजार के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया था। सरकार को मजबूत करने और खाली पदों को भरने के उद्देश्य से उठाया गया यह कदम अब पार्टी के लिए परेशानी का कारण बन गया है। जिन विधायकों को मंत्री पद मिलने की उम्मीद थी, उन्हें जगह नहीं मिलने से नाराजगी बढ़ गई है। नाराज विधायकों की यह बैठक उसी दिन हुई, जब पार्टी के वरिष्ठ नेता और छह बार के विधायक मुबारक गुल की ओर से दी गई समयसीमा समाप्त हो गई। मंत्री पद समेत अपनी कई मांगों को लेकर ▶8पर

सोना अशर्फी मिठाई!

जयपुर में 1.23 लाख रुपये किलो



जयपुर, 04 नवंबर (एजेंसियां)।

दीपावली पर आपने मिठाई के कई डिब्बे खरीदे होंगे। कोई काजू कतली पसंद करता है, तो कोई लड्डू और कोई रिश्तेदारों के लिए महंगे सूखे मेवों का डिब्बा पैक करवाता है। लेकिन इस बार जयपुर में मिठाई की एक ऐसी खास किस्म पेश की गई है, जिसकी कीमत सुनकर कोई भी हैरान रह सकता है। इसका नाम 'त्योहार अशर्फी' है। दिखने में यह सोने के सिक्के जैसी है और इसके मात्र 9 ग्राम के एक टुकड़े की कीमत 1,111 रुपये रखी गई है। इस हिसाब से एक किलो मिठाई की कीमत करीब 1.23 लाख रुपये बैठती है। जयपुर के एक मिठाई प्रतिष्ठान ने इसे दीपावली के खास उपहार के रूप में पेश किया है। इसे बनाने में बादाम, खाने योग्य सोने और केसर का इस्तेमाल किया गया है। प्रतिष्ठान का उद्देश्य पुराने जमाने में राजा-महाराजाओं के यहां दी जाने वाली सोने की अशर्फियों की याद को मिठाई के रूप में फिर से जीवंत करना है। त्योहार अशर्फी का एक टुकड़ा केवल 9 ग्राम का है और इसकी कीमत 1,111 रुपये है। यदि कोई इसका पूरा डिब्बा खरीदना चाहता है, तो उसमें नौ टुकड़े मिलेंगे और डिब्बे की कीमत 9,999 रुपये होगी। अब हिसाब लगाएं तो नौ छोटे टुकड़ों के लिए करीब 10 हजार रुपये खर्च करने होंगे। ▶8पर



व्हाइट हाउस में डेमोक्रेटिक नेता ने अमेरिका की जीत का ऐलान किया, व्हाइट हाउस ने कहा, ऐसा हुआ तो बहुत पछतावा करेंगे मतदाता

न्यूयार्क/वाशिंगटन (अमेरिका)

अमेरिकी हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स में डेमोक्रेटिक अल्पमत के नेता हकीम जेफरीज ने अमेरिका की जीत का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद आए अनुमानों से पता चलता है कि कांग्रेस के निचले सदन पर डेमोक्रेट्स का नियंत्रण हो जाएगा। हाउस में डेमोक्रेट्स के नियंत्रण की खबरों के बीच व्हाइट हाउस ने कहा कि ऐसा हुआ तो डेमोक्रेट्स को वोट देने वाले मतदाता पछतावा करेंगे।

जेफरीज ने एक्स पर कहा, अमेरिका की जीत! विश्लेषणात्मक सेवा डिसीजन डेस्क एचक्यू और ब्राडकास्टर सीएनएन व एनबीसी के अनुमानों के अनुसार, कांग्रेस चुनावों के नतीजों के आधार पर अमेरिकी हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स पर डेमोक्रेट्स का नियंत्रण हो जाएगा। फिलहाल, दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी के पास मामूली बहुमत है। हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स में रिपब्लिकन के पास 218 सीटें हैं, जबकि डेमोक्रेट्स के पास 214 सीटें हैं। वहीं सीनेट में रिपब्लिकन के पास 53 सीटें हैं और डेमोक्रेट्स के पास 47 सीटें हैं।

इस बीच व्हाइट हाउस ने बताया कि जिन अमेरिकियों ने डेमोक्रेट्स को वोट दिया है, उन्हें अपने इस फैसले पर पछतावा होगा। ऐसा तब होगा जब ईरान के साथ चल रहा विवाद सुलझ जाएगा और पेट्रोल की कीमतें कम हो जाएंगी, लेकिन उनके पास अभी भी कट्टर उदारवादी डेमोक्रेट्स की सूची ही रह जाएगी। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया, आज जिन लोगों ने डेमोक्रेट्स को वोट दिया है, उन्हें बाद में बहुत पछतावा होगा। जब ईरान विवाद सुलझने के बाद पेट्रोल की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी, तब उन्हें एहसास होगा कि वे कट्टर उदारवादी डेमोक्रेट्स के साथ फंस गए हैं।

यह टिप्पणी अमेरिकी विश्लेषक फर्म डिसीजन डेस्क एचक्यू के उस अनुमान के बीच आई है, जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा पर डेमोक्रेट्स का नियंत्रण हो जाएगा। तीन नवंबर को संयुक्त राज्य अमेरिका में मध्यावधि कांग्रेसनल चुनाव हुए, जिसमें अमेरिकियों ने प्रतिनिधि सभा के सभी 435 सदस्यों और 35 सीनेटरों के लिए वोट डाला।

इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के एक प्रतिनिधि ने संकेत दिया है कि अमेरिकी कांग्रेसनल चुनाव के शुरुआती नतीजों के बाद भी व्हाइट हाउस का रुख अडिग (यानी हार न मानने वाला) बना हुआ है। इससे पहले बुधवार को अमेरिकी विश्लेषक सेवा डिसीजन डेस्क एचक्यू ने कहा था कि शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, इस बात की 84% संभावना है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का नियंत्रण रिपब्लिकन के हाथों से निकलकर डेमोक्रेट्स के पास चला जाएगा। डेमोक्रेट्स की जीत के अनुमान के बीच, व्हाइट हाउस के भीतर के माहौल को लेकर एजेंसी के एक सवाल के जवाब में अधिकारी ने कहा, व्हाइट हाउस का रुख अडिग है।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटेन के तत्कालीन विदेश मंत्री बालफोर के कुछ शब्दों ने बदल दी मिडिल ईस्ट की तकदीर



लंदन। किसे पता था कि एक छोटा सा दस्तावेज मिडिल ईस्ट की नियति बदलने वाला साबित होगा। यह ब्रिटिश सरकार का एक साधारण सा टाइप किया हुआ पत्र था, जिसमें लिखे मात्र 67 शब्दों ने ही आने वाली पूरी सदी के लिए पश्चिम एशिया की किस्मत तय करके रख दी। यह ऐतिहासिक दस्तावेज, जिसे बालफोर घोषणापत्र के नाम से जाना जाता है, आज भी इजराइल और फिलिस्तीन के बीच दशकों से जारी संघर्ष की जड़ों में से एक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2 नवंबर, 1917 को ब्रिटेन के तत्कालीन विदेश मंत्री आर्थर बालफोर ने ब्रिटिश यहूदी समुदाय के प्रमुख नेता लार्ड वाल्टर रोथ्सचाइल्ड को एक पत्र भेजा। इसी पत्र को इतिहास में बालफोर घोषणापत्र के नाम से जाना जाता है। इसमें ब्रिटेन की सरकार ने आधिकारिक तौर पर फिलिस्तीन की धरती पर यहूदियों के लिए अपना एक घर बनाने के विचार का समर्थन किया था। इस छोटे से पैराग्राफ में ब्रिटेन का वादा छुपा था, जिसने यहूदी देश यानी जायोनिस्ट मूवमेंट के विचार को दुनिया की सबसे बड़ी औपनिवेशिक महाशक्ति ब्रिटेन का आधिकारिक समर्थन दिला दिया था। पत्र में लिखा था- ब्रिटिश सरकार फिलिस्तीन में यहूदी लोगों के लिए एक राष्ट्रीय घर की स्थापना का समर्थन करती है, और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपने हर संभव प्रयास करेगी।

नौकरियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कंपनियों पर सख्त चीन



बीजिंग। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते दखल और इसके कारण श्रम बाजार पर मंडराते बेरोजगारी के खतरे से निपटने के लिए चीन सरकार ने एक महत्वाकांक्षी 18 सूत्रीय प्लान लागू किया है। स्टेट काउंसिल के जनरल आफिस की ओर से जारी इन सख्त दिशा-निर्देशों के तहत देश की सभी कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे अपने यहां किसी भी एआई प्रणाली को अपनाने से पहले कर्मचारियों पर पड़ने वाले उसके प्रभाव का पूरा आकलन करें। इस नई नीति का मुख्य उद्देश्य देश के तकनीकी विकास माडल को रोजगार के अनुकूल बनाए रखना है, ताकि आटोमेशन के इस दौर में आम नागरिकों की आजीविका सुरक्षित रह सके। इस व्यापक कार्ययोजना का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान अनइम्प्लायमेंट बफर पीरियड की व्यवस्था है, जिसके तहत यदि कोई कंपनी बड़े पैमाने पर एआई या आटोमेशन लागू करती है, तो उसे कर्मचारियों को अचानक नौकरी से हटाने की अनुमति नहीं होगी। प्रबंधन को अपने कर्मियों को समय रहते आगाह करना होगा, उन्हें नई तकनीक सीखने के अवसर देने होंगे और कंपनी के भीतर ही अन्य विभागों में उनकी पुनः तैनाती की योजना तैयार करनी होगी। यदि आंतरिक रूप से समायोजन संभव न हो, तो कंपनियों को कर्मचारियों को वैकल्पिक रोजगार तलाशने में भी सक्रिय सहायता प्रदान करनी होगी। इन गाइडलाइंस में विशेष तौर पर उन क्षेत्रों पर फोकस किया गया है जहाँ श्रम बल की अधिकता है, जैसे कि टेक्सटाइल, मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन सेक्टर।

कमजोर होती मांसपेशियों की असली वजह अमेरिकी वैज्ञानिकों ने खोज ली



कोपेनहेगन। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने उम्र के साथ मांसपेशियों के कमजोर होने के पीछे एक छिपी हुई प्रक्रिया का पता लगाया है। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के नए शोध से यह सामने आया है कि जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, मांसपेशियां कोशिकाओं को डैमेज से बचाने के लिए अपनी ताकत से समझौता करती हैं। चूहों पर किए गए इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि एक अणु को आंशिक रूप से बहाल करने से मांसपेशियों के क्षय के लक्षणों को काफी हद तक ठीक किया जा सकता है। इससे भविष्य में उम्र से संबंधित मांसपेशियों की कमजोरी के उपचार की नई उम्मीदें जाग गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक हमारे शरीर के मांसपेशी ऊतक में अलग-अलग तरह के तंतु होते हैं। ये बहुत शक्तिशाली और तेज गति पैदा करते हैं, लेकिन जल्दी थक जाते हैं। उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों की ताकत घटने लगती है और माइटोकान्ड्रिया की कार्यक्षमता भी कमजोर होने लगती है। हैरानी की बात यह है कि उम्र ढलने के साथ मांसपेशियां ऐसे धीमी गति वाले रेशों की तरफ बढ़ने लगती हैं जो उन्हीं कमजोर माइटोकान्ड्रिया पर ज्यादा निर्भर होते हैं।

बालेन्द्र सरकार अपनी ही पार्टी के निर्देशों की कर रहे अनदेखी, आंतरिक विवाद में घिरी आरएसपी

काठमांडू



नेपाल की बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में रही सरकार द्वारा अपनी ही पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के द्वारा दिए गए निर्देशों और नीतियों की पालन करने में आनाकानी और अनदेखी करने से सरकार और पार्टी के बीच दूरी बढ़ती हुई दिख रही है।

सत्तारूढ़ आरएसपी ने सरकार के सामने कई महत्वपूर्ण विषयों पर बार-बार अपनी चिंताएं रखी हैं और कई बार चेतावनी के साथ निर्देश भी जारी किए हैं। लेकिन पार्टी की इन मांगों और हस्तक्षेपों को बड़े पैमाने पर अनसुना किया गया है। पार्टी ने लोकतांत्रिक मान्यताओं के खिलाफ मानी जाने वाली गतिविधियों पर चिंता जताई है। हालांकि, पीएम शाह ने पार्टी के इन निर्देशों की हमेशा ही अनदेखी की है।

गत 13 जुलाई को मीडिया संस्थानों, कारोबारी प्रतिष्ठानों और नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष के आवास के सामने वाहन खड़े कर रास्ता बाधित किया गया था। बताया गया कि इस घटना में सरकार से जुड़े लोग शामिल थे।

मीडिया संस्थानों के प्रवेश द्वारों पर वाहन खड़े किए जाने की खबरें सामने आने के तुरंत बाद आरएसपी के महासचिव बिपिन आचार्य ने बयान जारी कर सरकार का ध्यान इस मामले की ओर आकर्षित किया। उन्होंने मीडिया संस्थानों के प्रवेश द्वारों पर वाहन खड़े कर रास्ता रोकने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी।

आनलाइन खबर, हिमालय टेलीविजन और कान्तिपुर जैसे बड़े मीडिया संस्थानों के प्रवेश द्वारों पर कथित तौर पर सरकार के करीबी लोगों ने वाहन खड़े किए थे। प्रधानमंत्री शाह के करीबी लोगों ने इस कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि यह पासपोर्ट विभाग के सामने गणेश नेपाली द्वारा आत्मदाह किए जाने के बाद मीडिया संस्थानों की खुले स्थानों पर पार्किंग के समर्थन में अपनाई गई स्थिति के जवाब में किया गया था।

प्रधानमंत्री के करीबी लोगों ने जहां रास्ता बाधित करने की कार्रवाई को सही ठहराया, वहीं पार्टी ने इसका विरोध किया। आचार्य ने कहा कि स्वतंत्र और निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की जीवनरेखा है।

बयान में कहा गया, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी इसकी रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। इसलिए पार्टी प्रेस को डराने-धमकाने के उद्देश्य से की गई इन और ऐसी किसी भी अन्य कार्रवाई की निंदा करती है।

आरएसपी ने कहा कि राज्य के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को निर्भीक होकर काम करने के लिए आवश्यक वातावरण को कमजोर करने के उद्देश्य से की जाने वाली संदिग्ध और अस्पष्ट गतिविधियां लोकतांत्रिक मूल्यों का सीधा उल्लंघन हैं।

मीडिया के साथ किए जा रहे व्यवहार पर चिंता जताते हुए आरएसपी ने सरकार से इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया था।

बयान में कहा गया, हम नेपाल सरकार, गृह मंत्रालय और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों का गंभीर ध्यान इस ओर आकर्षित करते हैं कि वे मीडिया संस्थानों की भौतिक और मानसिक सुरक्षा सुनिश्चित करें तथा ऐसी संदिग्ध गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति की तत्काल पहचान कर कानून के अनुसार कार्रवाई करें।

पार्टी के हस्तक्षेप के बावजूद पीएम बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने इस घटना की जांच करने या जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का कोई स्पष्ट प्रयास नहीं किया। प्रधानमंत्री शाह के मुख्य सलाहकार कुमार बेन और गृह मंत्री सुदन गुरुङ के करीबी लोग भी कथित तौर पर मीडिया संस्थानों के रास्ते रोकने के लिए वाहन खड़े करने में शामिल थे।

मीडिया संस्थानों द्वारा वाहन मालिकों की पहचान कर अधिकारियों को जानकारी दिए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई।

पिछले सप्ताह भी यही स्थिति दोहराई गई, जब सुरक्षा कर्मियों ने मीडिया संस्थानों में प्रवेश कर पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार किया। नेपाल प्रेस के पत्रकार विश्वमणि सुबेदी को हिरासत में लिया गया और बाद में रिहा कर दिया गया। पुलिस ने नया पत्रिका के कार्यालय में भी बिना गिरफ्तारी वारंट के उसके एक पत्रकार को हिरासत में लेने के लिए पहुंची थी। 30 अक्टूबर को पुलिस ने मोटिवेट न्यूज के संपादक शोभराज बराल और डीएनए खबर के प्रधान संपादक धीरज बस्नेत को गिरफ्तार किया। इस घटना पर सरकार की प्रतिक्रिया और भी गैरजिम्मेदाराना रही। प्रधानमंत्री सचिवालय ने मामले से शाह को अलग करते हुए कहा कि उन्हें पत्रकारों की गिरफ्तारी की जानकारी नहीं थी। वहीं, पुलिस प्रशासन ने दावा किया कि पत्रकारों को प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश पर हिरासत में लिया गया था। आरएसपी ने पत्रकारों की गिरफ्तारी और सुरक्षा कर्मियों के मीडिया संस्थानों में प्रवेश पर तत्काल आपत्ति जताई। 30 अक्टूबर को पार्टी नेताओं ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट जारी कर पूर्ण प्रेस स्वतंत्रता के प्रति अपना समर्थन दोहराया। पार्टी ने सचिवालय की आपात बैठक भी बुलाई। बैठक में पुलिस प्रशासन की कार्रवाई को असंवैधानिक ठहराते हुए सरकार को घटना की जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

कब्रें तैयार करने का प्रशिक्षण ले रही अमेरिकी सेना, बड़े और घातक युद्ध की आशंका



वाशिंगटन

अमेरिकी सेना ने एक ऐसी असामान्य तैयारी शुरू कर दी है जिसकी आवश्यकता कोरियाई युद्ध के बाद से इतने बड़े पैमाने पर कभी महसूस नहीं की गई थी। दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में शुमार अमेरिकी सेना अब युद्ध के मैदान में भारी संख्या में सैनिकों के हताहत होने की स्थिति में सामूहिक अस्थायी कब्रें तैयार करने का विशेष प्रशिक्षण ले रही है। इसके लिए बुलडोजर, भारी खुदाई करने वाली मशीनों और इंजीनियरिंग यूनिट्स को मैदान में उतारा गया है। इराक और अफगानिस्तान जैसे पिछले सैन्य अभियानों में इस स्तर पर कब्रों की व्यवस्था करने की जरूरत नहीं पड़ी थी।

करीब सात दशक बाद शुरू हुए इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य युद्ध में अत्यधिक जनहानि की स्थिति में सैनिकों के शवों को सुरक्षित रखना, उनकी सटीक पहचान सुनिश्चित करना और संघर्ष थमने के बाद उन्हें उनके परिवारों तक सम्मानजनक तरीके से पहुंचाना है। हाल ही में अमेरिकी सेना की थर्ड कोर सस्टेनमेंट कमांड और इंजीनियर टीमों ने एक कड़ा अभ्यास पूरा किया, जिसमें नकली अवशेषों और भारी मशीनों का उपयोग करके लंबी खाइयां खोदी गईं। इस दौरान यह आकलन किया गया कि एक इंजीनियर कंपनी बिना रुके काम करते हुए चौबीस घंटे के भीतर चौबीस सौ शवों के लिए अस्थायी कब्रें तैयार कर सकती है। इस प्रशिक्षण में दो दशकों में पहली बार सेना के पादरियों को भी शामिल किया गया ताकि युद्ध के मैदान में बिना किसी विलंब के धार्मिक संस्कारों के साथ जमीन को पवित्र किया जा सके। यह अचानक उठाया गया कदम वैश्विक भू-राजनीतिक हालात में आए गंभीर बदलावों और भविष्य के बड़े संघर्षों की आशंका का स्पष्ट संकेत देता है। अमेरिकी सैन्य रणनीतिकारों का मानना है कि यदि चीन, रूस या ईरान जैसी महाशक्तियों के साथ कोई सीधा और बड़ा महायुद्ध छिड़ता है, तो युद्ध के शुरुआती दौर में ही हजारों सैनिकों के मारे जाने की आशंका है। ऐसी भीषण परिस्थितियों में हवाई क्षेत्र के बंद होने या परिवहन विमानों की भारी कमी के कारण हजारों शवों को तुरंत स्वदेश वापस भेजना असंभव साबित होगा। युद्ध क्षेत्र में शवों को डीकंपोज होने और संक्रामक बीमारियों के फैलने से रोकने के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि उनकी पहचान दर्ज कर उन्हें सुरक्षित रूप से अस्थायी तौर पर दफनाया जाए, ताकि युद्ध समाप्ति के बाद उन्हें निकालकर स्वजनों को सौंपा जा सके।

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री काठमांडू पहुंचे



काठमांडू। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री नेपाल के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर काठमांडू पहुंच गए हैं। वह कुछ देर पहले त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे। विदेश सचिव की नेपाल यात्रा को प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के आगामी भारत दौरे की तैयारियों के रूप में देखा जा रहा है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा की तैयारी और दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय कूटनीतिक संवाद को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से उनका दौरा हो रहा है। काठमांडू पहुंचे मिस्री उच्चस्तरीय मुलाकातों का सिलसिला शुरू करेंगे। उनकी प्रधानमंत्री शाह से भी मुलाकात तय है। उनका विदेशमंत्री शिशिर खनाल, वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले सहित अन्य मंत्रियों से मुलाकात करने का कार्यक्रम है। बैठक में नेपाल-भारत द्विपक्षीय संबंधों, आपसी सहयोग और प्रधानमंत्री शाह की संभावित भारत यात्रा के मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। दौरा पूरा करने के बाद भारतीय विदेश सचिव मिस्री कल स्वदेश रवाना होंगे।

अमेरिकी विमानवाहक पोतों के लिए संकटकारी है चीनी मिसाइल

बीजिंग

चीन की डीएफ-26बी कैरियर किलर मिसाइल एक बार फिर वैश्विक रक्षा हलकों में चर्चा का केंद्र बन गई है, जब इसका एक नया वीडियो सामने आया जिसमें इसे रेगिस्तान में बने एक बड़े जहाज जैसे ढांचे पर हमला करते हुए दिखाया गया है। डीएफ-26 परिवार का हिस्सा यह मिसाइल जमीन से लान्च की जाती है और इसकी मारक क्षमता करीब 4,000 किलोमीटर तक बताई जाती है, जो इसे अमेरिकी सैन्य ठिकानों और विमानवाहक पोतों-जैसे यूएसएस जेराल्ड फोर्ड, यूएसएस जार्ज वाशिंगटन और यूएसएस लिंकन के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करती है।



मोबाइल लान्चर से दागे जाने की क्षमता और पारंपरिक व परमाणु दोनों तरह के वारहेड ले जाने में सक्षम होने के कारण दुश्मन के लिए इसका पता लगाना और इसे रोकना बेहद कठिन माना जाता है। रूसी विशेषज्ञों तक का दावा है कि यह मिसाइल अमेरिकी विमानवाहक पोतों को गंभीर क्षति पहुंचाने में सक्षम है।

हालांकि, रक्षा विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि रेगिस्तान में किसी स्थिर ढांचे को निशाना बनाना और खुले समुद्र में लगातार गतिमान एक लाख टन वजनी विमानवाहक पोत को भेदना दो अलग-अलग बातें हैं। इसके लिए अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, रडार सिस्टम और मैनुवरेबल री-एंट्री व्हीकल जैसी उन्नत तकनीक की आवश्यकता होती है, जो मिसाइल को अंतिम चरण में दिशा बदलने में मदद करे। इसके मुकाबले अमेरिकी नौसेना के पास भी अपने कैरियर स्ट्राइक ग्रुप में एजिस युद्ध प्रबंधन सिस्टम और एस.एम.-3 व एस.एम.-6 जैसी उन्नत इंटरसेप्टर मिसाइलों से लैस डिस्ट्रायर, क्रूजर और पनडुब्बियों का मजबूत सुरक्षा घेरा मौजूद है। इस मिसाइल का मुख्य सामरिक महत्व केवल किसी जहाज को डुबोने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका रणनीतिक उद्देश्य अमेरिकी विमानवाहक पोतों को चीन के समुद्री तटों के करीब आने से रोकना है। लंबी दूरी की इन एंटी-शिप मिसाइलों के निरंतर खतरे के कारण अमेरिकी नौसेना को अपनी तैनाती की रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है और उन्हें चीनी तटों से अधिक दूरी पर रहना पड़ सकता है, जिससे उनके लड़ाकू विमानों की प्रभावी सीमा प्रभावित होगी। यह मिसाइल अमेरिका की पारंपरिक समुद्री ताकत को चुनौती देने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपना सामरिक दबदबा बढ़ाने की चीन की व्यापक सैन्य रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बांग्लादेश की राजधानी में औद्योगिक अशांति, वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन, झड़प, 100 घायल, 40 गिरफ्तार

ढाका (बांग्लादेश)

देश की राजधानी के मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में कपड़ा उद्योग के कर्मचारियों की 30,000 टका न्यूनतम वेतन करने की मांग को लेकर तीन दिन से चल रहा आंदोलन हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों और पुलिस के बीच दिनभर तीखी झड़पें हुईं। शाम होते-होते धरपकड़ शुरू हो गई। पुलिस का कहना है कि इन झड़पों में 100 लोग घायल हुए हैं। घायलों में पुलिस कर्मचारी भी हैं। अशांति फैलाने के आरोप में 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, कपड़ा उद्योग कर्मचारियों और मजदूरों ने सरकार के आंदोलन के पीछे किसी राजनीतिक उकसावे या बड़ी साजिश के आरोपों को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि किसी बाहरी प्रभाव के कारण नहीं, बल्कि बढ़ती महंगाई के चलते वे विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हुए हैं। पुलिस ने अशांति भड़काने के आरोप में देररात 40 लोगों को



गिरफ्तार करने की जानकारी दी। पुलिस ने दावा किया है कि प्रदर्शन में बाहरी लोग शामिल हो गए हैं।

प्रदर्शनकारी शोएब इस्लाम ने कहा कि तोड़फोड़ या हिंसा में मजदूरों की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा, हम मजदूर किसी भी तरह की तोड़फोड़ में शामिल नहीं हैं। अगर कोई ऐसा करता है, तो यह पुलिस का काम है कि वह इस पर कार्रवाई करे।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर बिना किसी वजह के हमला किया है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनके साथियों को मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया जाता है, तो मजदूर इसका विरोध करेंगे। एक अन्य मजदूर शेफली बेगम ने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि इन प्रदर्शनों के पीछे बाहरी समूहों का हाथ है। उन्होंने कहा, हमें किसी ने उकसाया नहीं है। हम अपनी जायज मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारी शमीम ने कहा कि अगर सरकार मांगी गई न्यूनतम वेतन राशि की घोषणा कर दे, तो ये प्रदर्शन तुरंत खत्म हो सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर सरकार 30,000 टका न्यूनतम वेतन की घोषणा कर देती है, तो सभी मजदूर अपनी फैक्ट्रियों में लौट जाएंगे और कोई भी सड़क पर नहीं रहेगा। वहीं, कानून लागू करने वाले अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शनों में ऐसे लोग घुस आए हैं, जिनका मजदूरों की वेतन मांगों से कोई लेना-देना नहीं है।

ढाका रेंज के डीआईजी मो. मुस्तफिजुर रहमान ने बताया कि ढाका, मीरपुर, गाजीपुर और नारायणगंज में हुई अशांति के सिलसिले में पुलिस ने 40 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से कोई भी कपड़ा कारखाने का मजदूर नहीं है। उन्होंने बताया कि पुलिस सबूत जुटा रही है ताकि हिंसा भड़काने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जा सके।

ढाका जिला पुलिस अधीक्षक शमीमा परवीन ने यह भी आरोप लगाया कि बुरका और हेलमेट पहने कुछ लोग देश को अस्थिर करने की कोशिश में मजदूरों को उकसा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पुलिस के पास इन गतिविधियों की फंडिंग के बारे में जानकारी थी, लेकिन उन्होंने इसके समर्थन में कोई सबूत सार्वजनिक नहीं किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है। आज पानी का जरुरतमंदों को दान और सेवा करना चाहिए आत्मीयशान्ति मिलेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। आप माता-पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आवश्यकता है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा। वैवाहिक जीवन के उजले पहलू का अनुभव करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप अपने मन की सुनें, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। जीवनसाथी के कारण कुछ नुकसान हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है । व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूस इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। अपने जीवन-साथी के साथ प्यार, अपनापन और स्नेह महसूस करें। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। बच्चे और परिवार दिन का केंद्र-बिंदु रहेंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। आपके लिए यह उत्साह वर्धक दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है,आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अगर आप सामूहिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, तो आप नए दोस्त बना सकते हैं। आप के दिल की धड़कनें आपके प्रिय के लिए ज्यादा ही धडकेगी, कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। अपने जीवनसाथी के स्नेह से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। आपका जीवनसाथी आपको पाकर ख़ुद को ख़ुशनसीब समझता है; इन पलों का भरपूर उपयोग करें। आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। यह अच्छा वक़्त है जो आपके लिए क़ामयाबी और ख़ुशहाली लाएगा। इसके लिए आपको अपनी कोशिशों और अपने परिवार से मिलने वाले सहयोग का शुक्रगुज़ार होना चाहिए। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझाता भी है। आपके हँसने-हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। उधार माँगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। ऐसा कोई जिसके साथ आप रहते हैं, आज आपके किसी काम की वजह से बहुत झुंझलाहट महसूस करेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। समय मुफ़्त ज़रूर है पर बेशक़ीमती भी है, इसलिए अपने अधूरे कार्यों को निपटाकर आप आने वाले कल के लिए निश्चिंत हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों के साथ शाम बिताना या ख़रीदारी करना मज़ेदार और रोमांचक रहेगा। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज अपना समय व्यतीत करेंगे ।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 नवंबर 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी प्रात: 10:37 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 03:56 तक
योग : ऐन्द्र प्रात: 06:25 तक
करण : बालव प्रात: 10:37 तक
चन्द्रराशि : सिंह प्रात: 09:34 तक
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
शाहकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रमा एकादशी व्रत , गोवत्स द्वादशी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

1984 के सिख दंगा पीड़ितों को न्याय मिले

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने दोषियों को कठोर सजा देने और पीड़ित परिवारों के पुनर्वास की उठाई मांग



हैदराबाद, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवंबर 1984 के सिख दंगों की 42वीं बरसी के अवसर पर भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा ने दंगा पीड़ितों को न्याय दिलाने, दोषियों को कठोरतम सजा देने तथा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की मांग की। मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि 42 वर्ष बीत जाने के बाद भी नवंबर 1984 की वह काली रात सिख समुदाय के जेहन में आज भी जिंदा है। उस दौरान हजारों निर्दोष सिखों की निर्मम हत्या की गई, अनगिनत परिवार उजड़ गए और पूरे समुदाय को अकल्पनीय पीड़ा झेलनी पड़ी।

उन्होंने कहा कि यह केवल इतिहास का एक पन्ना नहीं, बल्कि मानवता को झकझोर देने वाली ऐसी त्रासदी है, जिसका घाव समय के साथ भी नहीं मिट सकता। भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा उन सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता है और पीड़ित परिवारों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करता है। सरदार जगमोहन सिंह ने मांग की कि 1984 के सिख दंगा मामलों से जुड़े सभी लंबित मुकदमों का शीघ्र निपटारा किया जाए तथा दोषियों को कानून के अनुसार कठोरतम सजा दी जाए। पीड़ित परिवारों को केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा घोषित सभी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध कराया जाए। उनके पुनर्वास और सम्मानजनक जीवन के लिए विशेष कदम उठाए जाएं।

उन्होंने कहा कि इस त्रासदी की सच्चाई को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है, ताकि देश में दोबारा कभी नफरत और हिंसा को जगह न मिले। भाजपा सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के सिद्धांत पर चलते हुए अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि पीड़ितों का दर्द मान्यता का हकदार है, उनकी यादें सम्मान की हकदार हैं और उनके परिवार न्याय के हकदार हैं। हम उन्हें याद रखेंगे, उनका सम्मान करेंगे और न्याय की मांग करते रहेंगे। भाजपा सदैव पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में 1984 के सिख दंगों में मारे गए लोगों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, प्रदेश महामंत्री डॉ. गौतमराव, मोर्चा महामंत्री रजनीश जैन एवं हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष बलबीर सिंह एवं शेख शाहजहांन, मंत्री मोहम्मद गजनी, सतीश जैन, समी खान, गुरुचरण सिंह, मोहम्मद नसीर, रिदा कुद्दोस, रणजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, मोहम्मद इरफान, मुकेश जैन चौहान, सुमित माखीजा एवं अमीना बेगम सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

नामपल्ली में किया गया नियमित अन्नदान



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराकर मानवता और सामाजिक सरोकारों का संदेश दिया जा रहा है।

अन्नदान के इस पुनीत कार्य में ग्रुप के सदस्य पूरे उत्साह और सेवा भावना के साथ सहभागी बन रहे हैं।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज में आपसी सहयोग, प्रेम, सद्भावना और निस्वार्थ सेवा की भावना को भी मजबूत करना है।

ग्रुप का मानना है कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है। मानव सेवा ही सच्चा धर्म है और जरूरतमंदों की सहायता करना ही ईश्वर की सच्ची आराधना है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से अन्नसेवा के कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं।

इस अभियान की विशेषता यह है कि इसमें सभी सदस्य सामूहिक रूप से सेवा और समर्पण की भावना के साथ कार्य करते हैं। बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना ही इस सेवा अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह प्रयास समाज के अन्य लोगों को भी सेवा कार्यों से जुड़ने और अपनी सामर्थ्य के अनुसार मानवता के इस पुनीत कार्य में सहयोग करने की प्रेरणा दे रहा है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल एवं किरण गोयल सहित ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से अन्नदान सेवा में सहभागिता निभाई।

ग्रुप का संकल्प है कि सेवा, सहयोग और समर्पण की इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जाए।

स्कूल को 50 बेंच भेंट



पेद्दापल्ली, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एमके फाउंडेशन के तत्वावधान में पेद्दापल्ली जिले के अपन्नापेट जिला परिषद उच्च विद्यालय को 50 बेंच दान की गईं। फाउंडेशन के संस्थापक, विधान परिषद सदस्य (एमएलसी), डीपीएस के प्रो-वाइस चेयरमैन एवं विधान परिषद में भाजपा के उपनेता मलका कोमरैया ने इन बेंचों का प्रायोजन किया।

विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था नहीं होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने तत्काल पहल की। इस सहयोग पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

इससे पहले भी एमएलसी मलका कोमरैया ने इसी विद्यालय के विकास के लिए प्रवेश द्वार एवं स्वागत तोरण का निर्माण करवाया था। कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि उन्होंने इसी सरकारी विद्यालय में दसवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की थी। वे प्रतिदिन बंधमपल्ली से पांच किलोमीटर पैदल चलकर अपन्नापेट पढ़ने आते थे।

उन्होंने कहा कि जिस विद्यालय ने उन्हें शिक्षा दी, उसके प्रति अपना ऋण चुकाना वे कर्तव्य मानते हैं। विद्यालय के पूर्व छात्र होने के नाते इसके विकास में आगे भी सहयोग जारी रखेंगे। ग्रामीणों, विद्यालय प्रबंधन एवं विद्यार्थियों ने एमके फाउंडेशन और मलका कोमरैया के प्रति आभार व्यक्त किया। फाउंडेशन के सदस्यों ने भी भविष्य में सरकारी विद्यालयों के विकास के लिए सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय पीएसी सम्मेलन में भागीदारी



पेद्दापल्ली, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम स्थित विधानसभा भवन में संसद एवं विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं की लोक लेखा समितियों (पीएसी) के अध्यक्षों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इसमें तेलंगाना के वरिष्ठ विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) टी. भानु प्रसाद राव सहित राज्य के जनप्रतिनिधियों एवं विधायी अधिकारियों ने भाग लिया।

सम्मेलन में तेलंगाना विधानसभा की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष एवं विधायक अरिकेपुडी गांधी, एमएलसी टी. भानु प्रसाद राव, तेलंगाना विधान परिषद के सचिव वी. नरसिम्हाचार्युलु तथा तेलंगाना विधानसभा के सचिव रेंडला तिरुपति शामिल हुए। संसदीय लोक लेखा समिति के अध्यक्ष के.सी. वेणुगोपाल ने भी देशभर के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों एवं समिति अध्यक्षों के साथ सम्मेलन में भाग लिया।

बैठक में सरकारी धन के उपयोग में वित्तीय जवाबदेही, सरकारी खर्चों की प्रभावी लेखा परीक्षा तथा सार्वजनिक धन के उचित उपयोग पर विधायिका की निगरानी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जा रही है। सम्मेलन का उद्देश्य सार्वजनिक धन के उपयोग में पारदर्शिता बढ़ाना तथा सरकारी वित्तीय कार्यों पर विधायी निगरानी को और मजबूत करना है।

पशु चिकित्सा शिविर आयोजित



डोंगली, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डोंगली मंडल के लिंबूर गांव में पशुधन के स्वास्थ्य एवं देखभाल को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर एवं कृमिनाशक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय सरपंच सुजाता शिव रेड्डी ने किया।

इस अवसर पर पशु चिकित्सा मंडल अधिकारी विनीत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए किसानों को पशुधन के स्वास्थ्य, देखभाल और बीमारियों से बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं सुझाव दिए। शिविर में विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त पशुओं की जांच कर उनका निदान एवं उपचार किया गया।

इसके अलावा पशुओं के पाचन एवं शारीरिक विकास में सुधार करने तथा पोषक तत्वों की कमी दूर करने वाली दवाइयां निःशुल्क वितरित की गईं। पशु चिकित्सा अधिकारी ने किसानों को पशुपालन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और पशुओं को स्वस्थ रखने के उपायों के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्राम के बुजुर्गों तथा बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और शिविर का लाभ उठाया।

भाजपा की विजय यात्रा में उमड़ा जनसमर्थन



पेद्दापल्ली, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र के कासुलपल्ली गांव में भाजपा की विजय यात्रा के दौरान कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति के 200 से अधिक युवा, महिलाएं एवं ग्रामवासी भाजपा में शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा के राज्य कार्यकारिणी सदस्य नल्ला मनोहर रेड्डी ने उनका पार्टी में स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता से प्रभावित होकर लोग भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर चुनावी वादे पूरे नहीं करने तथा भारत राष्ट्र समिति पर अपने दस वर्षों के शासनकाल में जनकल्याण की उपेक्षा करने का आरोप लगाया।

पूर्व विधायक दासारी मनोहर रेड्डी ने कहा कि उनके गृह गांव कासुलपल्ली से बड़ी संख्या में लोगों का भाजपा में शामिल होना पार्टी के बढ़ते जनाधार का प्रमाण है। उन्होंने गांवों में आवास, पेंशन और चिकित्सा सुविधाओं की कमी पर चिंता जताई।

नल्ला मनोहर रेड्डी ने वर्तमान एवं पूर्व विधायकों को एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बजाय अपनी ईमानदारी साबित करने के लिए झूठ पकड़ने वाली परीक्षा (लाई डिटेक्टर टेस्ट) के लिए तैयार रहने की चुनौती दी। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी दिनों में तेलंगाना में भाजपा का भगवा ध्वज अवश्य लहराएगा। कार्यक्रम का आयोजन गड्डाला राजू, अमरबंदा सतीश, कोलीपाका शेखर, अमरगोंडा प्रदीप एवं बिरुधु मल्लेश के तत्वावधान में किया गया।

विकास कार्यों का उद्घाटन



बांसवाड़ा, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने बिरकुर मंडल के रायथुनगर गांव में आयोजित विभिन्न विकास कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित महिला स्वयं सहायता समूह भवन तथा 30 लाख रुपये की लागत से बने अनाज भंडारण भवन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में कामारेड्डी जिला कलेक्टर आशीष सांगवान, बांसवाड़ा राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) रविंदर रेड्डी सहित मंडल के जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नेता उपस्थित रहे।

हरीश बाबू ने राहुल गांधी पर साधा निशाना



मंचेरियाल, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला मुख्यालय स्थित एम. कन्वेंशन हॉल में आयोजित मेधावी संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए सिरपुर विधायक डॉ. पालवाई हरीश बाबू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर राहुल गांधी जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी मतदाता सूची से 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने का दावा कर रहे हैं, लेकिन अपने आरोपों के समर्थन में चुनाव आयोग या सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष 13 मतदाताओं के नाम भी प्रस्तुत नहीं कर पाए। उन्होंने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाकर राहुल गांधी अपनी राजनीतिक विफलताओं से जनता का ध्यान भटकाना चाहते हैं।

डॉ. हरीश बाबू ने कहा कि तेलंगाना के विकास और बेहतर भविष्य के लिए राज्य में भी भाजपा की डबल इंजन सरकार आवश्यक है। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष वेराबेल्ली रघुनाथ, चिकित्सक, अधिवक्ता, विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवी, महिलाएं एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दंडी स्वामीजी के नेतृत्व में अय्यप्पा मालाधारण



बांसवाड़ा, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार को बांसवाड़ा स्थित काशी के दंडी आश्रम के प्रमुख दंडी स्वामीजी के नेतृत्व में कुछ स्वामियों ने विधिवत अय्यप्पा दीक्षा मालाधारण किया। इसी क्रम में बांसवाड़ा शहर के अय्यप्पा स्वामी मंदिर में सुवर्ण भूमि महापदयात्रा के लिए गुरुस्वामी गुरु विनय गुरुस्वामी के नेतृत्व में मालाधारण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर करीब 30 स्वामियों ने महापदयात्रा में शामिल होने के लिए दीक्षा माला धारण की। गुरुस्वामी गुरु विनय गुरुस्वामी ने बताया कि महापदयात्रा गुरुवार सुबह 9 बजे बांसवाड़ा स्थित अय्यप्पा स्वामी मंदिर से प्रारंभ होगी। इसमें शामिल होने के लिए संबंधित गांवों के सभी स्वामी बुधवार रात तक बांसवाड़ा पहुंच जाएंगे।

फेंग शुई के स्वास्थ्य संबंधी उपाय



इस संसार में पैसा और हीरे जवाहरात इंसान को अच्छा स्वास्थ्य खरीद कर नही दे सकते। अच्छे स्वास्थ्य के बिना आप खुशियों का भरपूर आनंद नहीं ले सकते। व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा है तो सब कुछ ठीक है। फेंगशुई में स्वस्थ व तंदरूस्त रहने के लिए कई आसान उपाय बताये गये हैं। स्वस्थ व तंदरूस्त रहने के यह उपाय हैं।

1. अगर आप अपना स्वास्थ्य सुधारना चाहते हैं तो हमेशा अपनी निजी शुभ दिशा की ओर सिर करके सोएं। यह शुभ दिशा आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक हैं।

2. शीशे की तरफ मुंह करके ना सोएं। यह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। इसके अलावा सोते समय सामने दर्पण या वाटर प्लांट, एक्वेरियम, झील और नदी की पेंटिंग नहीं होनी चाहिए।

3.उस कमरे में ना सोएं जिसके ऊपर टॉयलेट या वाशिंग मशीन स्थित हैं।

4. घर में लगे बीम के नीचे न सोएं क्योंकि यह सिरदर्द का कारण होता है।

5. एक लंबे गलियारे के अंत में स्थित कमरे में सोने से बचें या एक कमरा जिसका दरवाजा सीधे सीढ़ियो की तरफ खुलता हैं। ऊर्जा का मजबूत प्रवाह कमरे में रहने वालों के लिए बीमारी लाने वाला साबित होगा।

6.कमरे के तेज किनारों और आगे को निकलने वाले कोनों को भी देखे जो कमरे में हानिकारक जहर के तीर भेजने का काम करते हैं।

7.अपने घर के पूर्वी भाग को विशेष रूप से ऊर्जावान बनाएं, क्योंकि यह क्षेत्र स्वास्थ्य और दीर्घायु का प्रतिनिधित्व करता है।

जब संत ने दिया सुख का मंत्र

एक राजा था। वह बडा निडर और उदार था। उसकी प्रजा उसे बहुत चाहती थी। एक दिन राजा एकांत में बैठा सोच रहा था। सोचते-सोचते वह गहराई में उतर गया। उसे लगा, इतनी सारी सुख-निधि पाकर भी आदमी दु:खी क्यों है। एक दिन उसने अपने दरबारियों को आज्ञा दी कि सबसे सुखी और तन्दुरूस्त आदमी को पकड कर लाओ। दरबारी और प्रजा हैरान। वे राजा की आज्ञा का पालन करने के लिए बहुत भटके, पर राजा जैसा चाहता था, वैसा एक भी आदमी नहीं मिला। उन्होंने दरबार में आकर राजा से कहा, 'हे राजन इस धरती पर पूर्ण सुखी और स्वस्थ कोई भी इंसान नहीं है। किसी को कोई दुख है तो किसी को कोई।' सुनकर राजा स्तब्ध रह गया। फिर बोला, 'तो क्या मेरे राज्य में सब दुखी और बीमार हैं। इस धरती पर कोई भी सुखी नहीं है। नहीं, ऐसा हो नहीं सकता। जाओ, एक बार फिर खोजो।' दरबारी क्या करते! फिर निकले। घूमते-घूमते वे एक निर्जन और वीरान जंगल से गुजरे। देखा, एक संत ध्यान में लीन हैं। वे वहीं जाकर बैठ गए।



ध्यान खुलने पर संत ने पूछा, 'तुम लोग कौन हो। कहां से आए हो।' दरबारियों ने कहा, 'हम राजा की आज्ञा मानकर सबसे सुखी और स्वस्थ प्राणी को खोजने निकले हैं।' सुनकर संत बोले, 'क्या तुम्हें अब तक ऐसा कोई आदमी मिला है।' दरबारियों ने कहा, 'नहीं' इसके बाद साधु उनके साथ राजा के पास गए। राजा संत को देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। संत ने कहा, 'राजन! तुम व्यर्थ ही परेशान होते हो। क्या तुम्हें पता है कि मनुष्य के ह्रदय में ही सुख का अपार भंडार भरा पडा है। जरा टटोलो तो अपने को। सुख की खोज में जैसे कस्तूरी मृग इधर-उधर भटकता है, वैसे ही तुम भटक रहे हो। सुख के लिए बाहर नहीं, भीतर देखना होता है।' राजा का ह्रदय पुलक उठा। उसकी समस्या हल हो गई। चूहा और गिलहरी एक था चूहा, एक थी गिलहरी। चूहा शरारती था। दिन भर 'चीं-चीं' करता हुआ मौज उड़ाता। गिलहरी भोली थी। 'टी-टी' करतीं हुई इधर-उधर घूमा करती।

संयोग से एक बार दोनों का आमना-सामना हो गया। अपनी प्रशंसा करते हुए चूहे ने कहा, 'मुझे लोग मूषकराज कहते हैं और गणेशजी की सवारी के रूप में खूब जानते हैं। मेरे पैने-पैने हथियार सरीखे दांत लोहे के पिंजरे तो क्या, किसी भी चीज को काट सकते हैं।' मासूम-सी गिलहरी को यह सुनकर बहुत बुरा लगा। बोली, 'भाई, तुम दूसरों का नुकसान करते हो, फायदा नहीं। यदि अपने दांतों पर तुम्हें इतना गर्व है, तो इससे कोई नक्काशी क्यों नहीं करते। इनका उपयोग करो तो जानूं। जहां तक मेरा सवाल है, मुझमें तुम सरीखा कोई गुण नहीं है। मेरे बदन पर तीन धारियां देख रहे हो न, बस ये ही मेरी खास चीज है। जो दाना-पानी मिल जाता है, उसका कचरा साफ करके संतोष से खा लेती हूं।' चूहा बोला, 'तुम्हारी तीन धारियों की विशेषता क्या है।' गिलहरी बोली, 'वाह! तुम्हें पता नहीं। आसपास दो काली धारियां हैं, उनके बीच में एक सफेद है। इनका मतलब है कि कठिनाइयों की परतों के बीच से ही असली सुख झांकता है। दो काली अंधेरी रातों के बीच में ही एक सुनहरा दिन छिपा रहता है।'

जब भगवान शिव की हुई जलती लकड़ी से पिटाई



देवों में देव महादेव की कोई जलती लकड़ी से पिटाई करे ऐसा कोई सोच भी नहीं सकता लेकिन, यह बात बिल्कुल सच है। बात कुछ 1360 ई. के आस-पास की है। उन दिनों बिहार के विस्फी गांव में एक कवि हुआ करते थे। कवि का नाम विद्यापति था। कवि होने के साथ-साथ विद्यापति भगवान शिव के अनन्य भक्त भी थे। इनकी भक्ति और रचनाओं से प्रसन्न होकर भगवान शिव को इनके घर नौकर बनकर रहने की इच्छा हुई।

भगवान शिव एक दिन एक जाहिल गंवार का वेष बनाकर विद्यापति के घर आ गये। विद्यापति को शिव जी ने अपना नाम उगना बताया। विद्यापति की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी अत: उन्होंने उगना को नौकरी पर रखने से मना कर दिया। लेकिन शिव जी मानने वाले कहां थे। सिर्फ दो वक्त के भोजन पर नौकरी करने के लिए तैयार हो गये। इस पर विद्यापति की पत्नी ने विद्यापति से उगना को नौकरी पर रखने के लिए कहा। पत्नी की बात मानकर विद्यापति ने उगना को नौकरी पर रख लिया।

एक दिन उगना विद्यापति के साथ राजा के दरबार में जा रहे थे। तेज गर्मी के वजह से विद्यापति का गला सूखने लगा। लेकिन आस-पास जल का कोई स्रोत नहीं था। विद्यापति ने उगना से कहा कि कहीं से जल का प्रबंध करो अन्यथा मैं प्यासा ही मर जाऊंगा। भगवान शिव कुछ दूर जाकर अपनी जटा खोलकर एक लोटा गंगा जल भर लाए।

विद्यापति ने जब जल पिया तो उन्हें गंगा जल का स्वाद लगा और वह आश्चर्य चकित हो उठे कि इस वन में जहां कहीं जल का स्रोत तक नहीं दिखता यह जल कहां से आया। वह भी ऐसा जल जिसका स्वाद गंगा जल के जैसा है। कवि विद्यापति उगना पर संदेह हो गया कि यह कोई सामान्य व्यक्ति नहीं बल्कि स्वयं भगवान शिव हैं अत: उगना से उसका वास्तविक परिचय जानने के लिए जिद करने लगे।

जब विद्यापति ने उगना को शिव कहकर उनके चरण पकड़ लिये तब उगना को अपने वास्तविक स्वरूप में आना पड़ा। उगना के स्थान पर स्वयं भगवान शिव प्रकट हो गये। शिव ने विद्यापति से कहा कि मैं तुम्हारे साथ उगना बनकर रहना चाहता हूं लेकिन इस बात को कभी किसी से मेरा वास्तविक परिचय मत बताना।

विद्यापति को बिना मांगे संसार के ईश्वर का सानिध्य मिल चुका था। इन्होंने शिव की शर्त को मान लिया। लेकिन एक दिन विद्यापति की पत्नी सुशीला ने उगना को कोई काम दिया। उगना उस काम को ठीक से नहीं समझा और गलती कर बैठा। सुशीला इससे नाराज हो गयी और चूल्हे से जलती लकड़ी निकालकर लगी शिव जी की पिटाई करने। विद्यापति ने जब यह दृश्य देख तो अनायास ही उनके मुंह से निकल पड़ा 'ये साक्षात भगवान शिव हैं, इन्हें जलती लकड़ी से मार रही हो।' फिर क्या था, विद्यापति के मुंह से यह शब्द निकलते ही शिव वहां से अर्न्तध्यान हो गये।

इसके बाद तो विद्यापति पागलों की भांति उगना - उगना कहते हुए वनों में, खेतों में हर जगह उगना बने शिव को ढूंढने लगे। भक्त की ऐसी दशा देखकर शिव को दया आ गयी। भगवान शिव उगना के सामने प्रकट हो गये और कहा कि अब मैं तुम्हारे साथ नहीं रह सकता। उगना रूप में मैं जो तुम्हारे साथ रहा उसके प्रतीक चिन्ह के रूप में अब मैं शिव लिंग के रूप विराजमान रहूंगा। इसके बाद शिव अपने लोक लौट गये और उस स्थान पर शिव लिंग प्रकट हो गया। उगना महादेव का प्रसिद्ध मंदिर वर्तमान में मधुबनी जिला में भवानीपुर गांव में स्थित है।



बाल भी बताते हैं व्यक्ति के गुण, स्वभाव और मनोवृति

बालों के रूप में मस्तिष्क के विचार भी प्रकट होते है। बालों को देखकर आप किसी व्यक्ति के गुण, स्वभाव और उसकी मनोवृति को आसानी से जान सकते हैं।

सीधे बाल वाले व्यक्ति स्पष्टवादी, सरल और खुले दिल के होते हैं। घुंघराले बाल वाले व्यक्तियों में निर्णय लेने की क्षमता का अभाव होता है। घुंघराले बाल वाले धैर्यहीन, संकोची और अस्थिर होते हैं। लहरदार बालों लोग मनमौजी, अतिक्रोधी, कर्मठ, कामुक, मतलबी और परिवर्तनशील होते हैं। ऐसे लोगों का मन हर क्षण बदलता रहता है।

रूखे बाल निम्नकोटि की मानसिक बौद्धिक क्षमता का प्रतिक हैं।

ऐसे लोग व्यवहार से कठोर और अल्पबुद्धि होते हैं। नरम एवं पतले बाल वाले मन से शुद्ध, सरल, भावुक, अबोध व निर्मल दिल के होते हैं। ऐसे व्यक्तियों का स्वभव बच्चों की तरह सरलहोता है।

ऐसे व्यक्ति उच्चा कोटी के कलाकार, दार्शनिक या समाज सेवक हो सकते हैं। मोटे बालों व्यक्ति में जीवनी शक्ति की प्रचुरता, कठोर परिश्रम करने वाले और धैर्यवान होते हैं। ऐसे व्यक्ति इरादे के पक्के और खान-पान के शौकीन होते हैं।

जब श्रीकृष्ण पर लगा चोरी का आरोप

एक दिन सत्राजित भगवान सूर्य द्वारा प्रदत्त स्यमंतकमणि धारणकर श्रीकृष्ण से मिलने आए। मणि के प्रकाश को देखकर यदुवंशी बोले- 'हे कृष्ण, यह मणि तो राजा उग्रसेन जी को अच्छी लगेगी। अत: आप यह मणि लेकर राजा उग्रसेन को दे दें। श्रीकृष्ण ने भी हंसकर सत्राजित से कहा- 'सत्राजित, तुम यह मणि हमारे राजा को दे दो।' परंतु यह सुनकर सत्राजित सभा से उठकर चले गए।

घर पहुंचकर सत्राजित ने भाई प्रसेनजित को सारा प्रसंग कह सुनाया। प्रसेनजित मणि पहनकर शिकार खेलने के लिए जंगल में चले गए। जंगल में एक मृग का पीछा करते-करते प्रसेनजित एक ऐसी गुफा में पहुंच गए, जहां घोर अंधेरा था। गुफा में शेर रहता था। उस शेर ने प्रसेनजित पर हमला करके उसे मार दिया और मणि गुफा में ले गया। मणि के प्रभाव के कारण गुफा सूर्य की तरह जगमगा उठी।

वहीं जामवंत निवास कर रहे थे। जब उन्हें गुफा में मणि होने की बात पता चली, तो उन्होंने शेर को मारकर मणि प्राप्त कर ली और मणि को अपनी बेटी के पालने से बांध दिया। उधर प्रसेनजित के साथ जो लोग शिकार खेलने गए थे, उन्होंने लौटकर सत्राजित को प्रसेनजित के लापता होने का हाल कह सुनाया। सत्राजित का शक सीधा श्रीकृष्ण पर गया कि मणि न देने पर उन्होंने ही उनके भाई को मारा है।

भाई के शोक में सत्राजित को उदास देखकर उनकी पत्नी ने पूछा, तो सत्राजित ने अपने मन की बात पत्नी को बता दी। सत्राजित की पत्नी ने यह बात अपनी पड़ोसन से कह दी। पड़ोसन से यह बात आगे फैलने लगी। फैलते-फैलते यह बात भगवान श्रीकृष्ण तक भी पहुंच गई। तब श्रीकृष्ण ने स्वयं पर लगा यह लांछन दूर करने के लिए प्रण किया कि वह सारा भेद स्पष्ट करेंगे तथा मणि को वापस लेकर आएंगे।

वह दल-बल सहित मणि की तलाश में निकल पड़े। रास्ते में उन्हें घोड़े के पैरों के चिह्न दिखाई दिए।



आगे जाने पर घोड़े व प्रसेनजित का शव भी मिल गया। वहीं पर सिंह के पैरों के निशान देखकर सबने अंदेशा जताया कि यह सब सिंह ने किया है। सिंह के पैरों के निशानों के पीछे-पीछे श्रीकृष्ण गुफा में चले गए। वहां पर सिंह भी मरा मिला, परंतु मणि नहीं मिली।

श्रीकृष्ण गुफा में भीतर पहुंचे तो जामवंत की पत्नी डरकर चिल्लाने लगी। फिर जामवंत व श्रीकृष्ण में घोर युद्ध हुआ। जब जामवंत श्रीकृष्ण को पराजित न कर पाए, तो उन्होंने मन ही मन प्रभु श्रीराम का स्मरण किया।

भगवान श्रीकृष्ण ने जामवंत को श्रीराम के स्वरूप में दर्शन दिए। भगवान के दर्शन करके वह धन्य हुए तथा उन्होंने मणि व अपनी पुत्री श्रीकृष्ण को सौंपकर उनसे क्षमा मांगी। श्रीकृष्ण ने वह स्यमंतकमणि सत्राजित को वापस करके स्वयं पर लगा कलंक धोया।

घर में शांति के लिए रखें गुलदस्ता

बदलते दौर में वास्तु का महत्व दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। आजकल कई बड़े-बड़े बिल्डर व इंटीरियर डेकोरेटर भी घर बनाते व सजाते समय वास्तु का विशेष ध्यान रखते हैं। वास्तु के अनुसार ही वे कमरे की बनावट, उनमें सामान की साज-सज्जा करते हैं। इससे घर की खूबसूरती बढ़ने के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का भी प्रवाह होता है। वास्तु के अनुसार घर की सजावट करते समय निम्न बातों का ध्यान रखें—

- घर के प्रवेश द्वार पर स्वास्तिक अथवा ॐ की आकृति लगाने से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।
- जिस भूखंड या मकान पर मंदिर की पीठ पड़ती है, वहां रहने वाले आए-दिन आर्थिक व शारीरिक परेशानियों में घिरते रहते हैं।



- समृद्धि की प्राप्ति के लिए नॉर्थ-ईस्ट दिशा में पानी का कलश अवश्य रखना चाहिए।
- घर में ऊर्जामय वातावरण बनाने में सूर्य की रोशनी का विशेष महत्व होता है, इसलिए घर की आंतरिक साज-सज्जा ऐसी होनी चाहिए कि सूर्य की रोशनी घर में पर्याप्त रूप में प्रवेश करे।
- घर में कलह अथवा अशांति का वातावरण हो, तो ड्राइंग रूम में फूलों का गुलदस्ता रखना अच्छा रहता है।
- अशुद्ध वस्त्रों को घर के प्रवेश द्वार के मध्य में नहीं रखना चाहिए।
- वास्तु के अनुसार रसोईघर में देवस्थान नहीं होना चाहिए।
- गृहस्थ के बेडरूम में भगवान के चित्र अथवा धार्मिक महत्व की वस्तुएं नहीं लगी होनी चाहिएं।
- घर में देवस्थान की दीवार से शौचालय की दीवार का संपर्क नहीं होना चाहिए।

दिवाली पर इन 10 तरीके से रखे सेहत का ख्याल



दीपावली का त्योहार नजदीक है और हर घर में इसकी तैयारियां जोरों पर है। साफ -सफाई, रंगाई-पुताई और सजावट के बाद बारी आती है मीठे और नमकीन पक वानों की। भई इन दिनों में मिठाइयों से दूर रहने की सारी कोशिशें नाकाम हो ही जाती हैं और खास तौर से जब रिश्तेदारों या दोस्तों के घर जाना होता है तो आप जमकर मिठाइयों का लुत्फभी उठा ही लेते होंगे। लेकिन इस समय सेहत पर भी ध्यान देने की जरूरत होती है। मिठाइयां खाइए, लेकिन सेहत न बिगड़े इसके लिए इन बातों का ध्यान भी जरूर रखिएगा -

1 मिठाई से भले ही पूरी तरह से परहेज न करें, लेकिन अधिक मात्रा में भी मिठाई का सेवन करने से बचें। कोशिश कीजिए कि पूरी मिठाई खाने की बजाए मिठाई का टुकड़ा लेकर मुंह मीठा कर लें ताकि मिठास भी हो और सेहत भी।



2 अधिक चिकनाई वाली मिठाईयां खाने से थोड़ा सा बचें। साथ ही मावे की मिठाईयां भी नुकसान पहुंचा सकती है। इसके बदले छेने या दूध की बनी मिठाई ले सकते हैं।



3 जब भी दोस्तों या रिश्तेदारों से मिलने जा रहे हों, तो कोशिश करें कि घर से ही नाश्ता करके निकलें। इससे आपका पेट भरा रहेगा और आप बेमतलब मिठाइयों या अन्य खाद्य पदाथोंज का सेवन करने से खुद ही बचेंगे।



4 हर घर में एक-दो चम्मच या कुछ कौर से अधिक न खाएं। अन्यथा बाकी दोस्तों या रिश्तेदारों के घर आपको खाना-पीना भारी पड़ जाएगा और आप खाने से इंकार भी नहीं कर पाएंगे।



5 अपने घर पर कोशिश करें कि चिकनाई वाली मिठाइयों क अपेक्षा सूखे मेवों से अतिथियों का सत्कार करें। इससे उ भी मिठाइयों के सेवन से बच जाएंगे और मेवों से किसी परहेज भी नहीं होता।



6 त्योहार के मौसम में मिठाइयों और पकवानों का दौर खूब चलता है, ऐसे में अपनी डाइट पहले से तय कर लें। क्योंकि कई बार पकवानों से ही पेट भर जाता है, और आप भोजन नहीं कर पाते, जो सेहत को बिगाड़ सकता है।



7 अगर आप मधुमेह के मरीज हैं, तो मिठाइयों से दूरी बनाए रखने में भी आपकी भलाई है। सेहत से बढ़कर कुछ नहीं होता, और सेहत अच्छी हो तो त्योहार का उत्साह अलग ही होता है।



8 दिवाली के बाद भी भोजन में पूरी-पकवानों का दौर काफी समय तक चलता है। ऐसे में कोशिश करें कि हल्का भोजन या फिर सलाद, दही, रायता व फलों का सेवन अधिक कर पाएं।



9 त्योहार के बाद हो सके तो एक दिन उपवास कर लें। इससे आपका पेट स्वस्थ्य रहेगा और पाचन तंत्र भी नहीं गड़बड़ाएगा। उपवास में तरल पदार्थों का ही सेवन करें।



10 कई सावधानियां रखने के बावजूद अगर मिठाइयां या फिर तली हुई चीजें खाने में आ ही रही हों, तो यह मान कर चलें कि अगले एक से दो महीनों तक मिठाइयों का बिल्कुल भी सेवन न करें। अन्यथा आप मोटापे के साथ ही अन्य समस्याओं के शिकार हो सकते हैं।



यह टिप्स जरूर पढ़ें, दिवाली पर घर रंगने से पहले...

दीपावली के पहले घरों में साफ-सफाई और रंग रोगन का दौर शुरू हो जाता है। ऐसे में घर के लिए सही रंगों का चुनाव करना भी बहुत मुश्किल लगता है। हो भी क्यों नहीं, अपने घरौंदे को सबसे खूबसूरत बनाने की चाह हर किसी में होती है। अगर आप भी यह तय नहीं कर पा रहे हैं, कि घर में रंग रोगन कैसा हो, तो लीजिए हम आपकी मदद कर देते हैं। दिए जा रहे टिप्स पढ़िए और जानिए कैसे करें रंग रोगन -

घर की दीवारों को रंगने का पहला सबसे आसान तरीका तो यह है, कि आप पहले घर के सभी सदस्यों की पसंद जान लें, और उसके अनुसार ही रंग लगवाएं। जिसे जो रंग पसंद हो, उस सदस्य के कमरे का रंग वही करवाएं, ताकि हर कोई त्योहार पर खुश हो जाए।

2 अगर आप इस विकल्प का चुनाव कर रहे हैं, तो बैठक कक्ष में रंग करवाने का निर्णय आपका हो सकता है। आप अपने अनुसार हल्के या गाढ़े रंग को चुन सकते हैं।

3 घर का सबसे अहम हिस्सा बैठक कक्ष होता है, जहां मेहमानों को बैठाया जाता है, और घर के सभी लोग एक साथ समय भी यहीं गुजारते हैं। इसलिए ध्यान रखें कि इस कक्ष को जितना हो सके खूबसूरत बनाएं।

4 बैठक कक्ष के लिए बाजार में कई तरह के विकल्प मौजूद हैं, जिनका उपयोग आप कर सकते हैं। आप चाहें तो दीवार के रंग से मिलता कोई खूबसूरत वॉलपेपर लगा सकते हैं। फूलों या पत्तियों के आकार के छापे लगवा सकते हैं। इसके अलावा फेब्रिक रंग, मेट, प्लास्टिक या फिर अन्य रंगों को चुन सकते हैं।

अधिकांशतः बैठक कक्ष बड़े होते हैं। अगर आपके घर भी कुछ ऐसा ही है, तो कोशिश करें कि उसमें हल्के रंग ही लगवाएं। इससे बैठक कक्ष बड़ा व खुला-खुला लगेगा। ज्यादातर लोग इसे लिए आज भी सफेद या क्रीम, हल्का पीला, हरा या नारंगी जैसे रंगों को पसंद करते हैं। गर्म क्षेत्रों में इस तरह के हल्के रंगों का प्रयोग किया जाता है, क्योंकि यह आंखों को ठंडक देते हैं।

6 गाढ़े रंगों को चुनने पर बैठक कक्ष छोटा व स्थान कम नजर आता है। इसके अलावा यह खुला-खुला लगने के बजाए बंद-बंद सा लगता है। ठंडे क्षेत्रों में गाढ़े रंगों का प्रयोग किया जा सकता है, क्योंकि यह माहौल में गमाज़्हट भी महसूस कराते हैं। इसके लिए ज्यादातर, जामुनी, नारंगी, नीला, सिलेटी आदि रंगों का प्रयोग होता है। आप चाहें तो सुनहरे रंग से इस पर डिजाइन करवा सकते हैं।

कमरे की छत पर ज्यादातर सफेद रंग ही किया जाता है, जो दीवारों के किसी भी रंग से असानी से जम जाता है। लेकिन अगर आप चाहें तो अपनी पसंद का भी कोई रंग लगवा सकते हैं।

8 बच्चों के कमरों में रंग लगवाते समय ध्यान रखें कि उन्हें रंगबिरंगी चीजें अधिक पसंद होती हैं। इस तरह से आप उनके कमरे में पीला, लाल, नीला या हल्का हरा रंग लगवा सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें उनके पसंदीदा कार्टून किरदार को दीवार पर बनवाया जा सकता है। बच्चे इसे खूब पसंद करेंगे।

9 बुजुर्गों को भड़कीले रंग पसंद नहीं होते इसलिए घर के बुजुर्गों के कमरे के लिए हल्के रंगों का ही चुनाव करें तो बेहतर होगा। इसके लिए आप हल्का नीला या आसमानी, हल्का गुलाबी, सफेद या अन्य हल्के रंगों का प्रयोग कर सकते हैं।

10 शादीशुदा जोड़े के कमरे के लिए गुलाबी, नारंगी नीला या फिर नए रंगों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे आपके बीच प्रेम और उत्साह का संचार होता है।



रंग-रोगन

जानिए, पूरी तरह पके केले खाने के पांच फायदे



सेहत और स्वास्थ्य के लिहाज से फलों का अपना महत्व होता है। फिर अगर बात की जाए केले की, तो तुरंत ऊर्जा प्रदान करने वाला यह फल आपको न केवल सेहतमंद रखने में सहायक है, बल्कि कुछ गंभीर बीमारियों से भी आपको बचा सकता है। जी हां पूरी तरह से पके हुए केले जिनके छिलके चितकबरे या काले छींट वाले होते हैं वे कितने फायदेमंद है और उन्हें खाने से होते हैं, कौन-कौन से फायदे, जानिए

स्वास्थ्य

अगर आपको केले खाना पसंद है लेकिन आप ज्यादा पके हुए केले खाने से परहेज करते हैं, तो आप कैंसर से नहीं बच सकते। क्योंकि ज्यादा पके हुए केले कैंसर से लड़ने में आपकी मदद करते हैं। यह बात हम नहीं कह रहे बल्कि जापान में किए गए एक अध्ययन में यह बात साबित हो चुकी है। दरअसल पके हुए केले, जिनके छिलकों पर काले निशान बने होते हैं, टीएनएफनामक तत्व से भरपूर होते है जिसे ट्यूमर नेक्रोसिस फेक्टर कहा जाता है। यह शरीर में कैंसर पैदा करने वाली कोशिश से लड़ने में बेहद सहायक होता है।

2 केले के पकने के साथ-साथ उसमें एंटी-ऑक्सीडेंट तत्वों का स्तर भी बढ़ता जाता है। इसके साथ-साथ यह आपके प्रतिरक्षी तंत्र को अधिक मजबूत कर, श्वेत रक्त कणिकाओं के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

3 इसमें प्राकृतिक शर्करा की मात्रा काफी अधिक होती है, जो रक्त में भी शर्करा के स्तर को बहुत तेजी से बढ़ाने में सहायक है। हालांकि मधुमेह रोगियों को इसका सेवन करते वक्त ध्यान रखने की जरूरत है।

4 यह पोषक तत्वों से भरपूर है, क्योंकि जैसे-जैसे केला परिपक्व होता है, उसमें मौजूद पोषक तत्वों की मात्रा में आठ गुना तक इजाफ़ा होता है। इस तरह से आप पके केले के माध्यम से भरपूर पोषण प्राप्त कर सकते हैं। इसमें पोटेशियम, विटामिन बी6, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

5 यह आपको कम पके केलों की अपेक्षा अधिक ऊर्जा देने में सक्षम है। इसके अलावा आप केवल एक केला खाकर भी घंटों तक बगैर कुछ खाए उजावज़न बने रह सकते हैं।

नए दोस्त बनाने में ऐसे करें अपने बच्चों की मदद



बच्चों को अच्छे-बुरे की उतनी समझ नहीं होती उन्हें तो सब अपने जैसे लगते हैं। प्लेग्राउंड में तरह- तरह के बच्चे खेलते दिखते हैं। उनमें आपको कुछ ऐसी बातें मिलती हैं, जो आपके बच्चे में नहीं हैं। जबकि आपका बच्चा खुद में यूनिक है। अपने बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों के साथ करने की बजाय इन बातों का रखिए ध्यान।

घर-परिवार

अपने बच्चे की कमजोरियों और ताकतों को समझने की कोशिश करिए। जब भी वे अपने किसी परेशानी के बारे में बताता है तो उसकी बात को पूरे पेशेंस के साथ सुनिए। बीच में ही लेक्चर देना शुरू मत करिए। उसका हौंसला बढ़ाने के लिए आप भी अपने बचपन की कोई बात उसे सुना सकते हैं। उसे बताएं कि जो कमजोरी उसकी है, वे और बहुत सारे लोगों की होती है। अपनी बात को बेहतर तरीके से समझाने के लिए किताबों और फिल्मों से कार्टून किरदारों की मदद ले सकते हैं।

बच्चों के साथ भी ब्रेनस्टॉर्मिंग सेशन लगाएं। जैसे उसे बताएं कि अच्छे बच्चों और अच्छी दोस्तों में किस तरह की आदतें होती हैं, जिन्हें वे खुद में अपना सकता है। उनके साथ रोल प्ले आदि कर सकते हैं, जिनसे बच्चों को वही फील मिले।

रिव्यू करते रहिए। बच्चों की प्ले डेट या किचन एक्सपीरियंस के बाद उनसे उनके अनुभव जानने की कोशिश करिए। सोशन स्किल्स बिल्ड करने के लिए बच्चे ने जो भी कदम उठाएं हों, उनकी सराहना करिए। उसके फ्रेंडली बिहेवियर की तारीफ करिए। जैसे जब वे दोस्तों से बात करे या उनके साथ कोई चीज़ बांटे तो उसकी तारीफ करें। दोस्ते के रास्ते में आने वाली मुश्किलों पर चर्चा करिए और उनका हल निकलने के और भी क्रिएटिव तरीके तलाशिए।

जब बच्चा स्कूल से लौटे और रोने लगे कि उसे बाकी बच्चों जितने फ्रेंडशिप बैंड नहीं मिले तो उसे रोने दें। उसे मन में भरी बातें सुनाने दें। जब वे सब सुना दे, फिर उसे समझाइए।

प्रैक्टिस करते रहिए। बच्चों में सोशलाइज़ करने की आदत डेवेलप करिए। जरुरी नहीं इसके लिए गाडज़्न में ही जाया जाए। बच्चों के लिए कुकिंग क्लास, विजिट टू अ जू, फुटबॉल खेलना आदि एक्टिविटीज़ का आयोजन करिए। दूर खड़े होकर उन्हें मॉनिटर या सुपरवाइज़ करना छोड़ दीजिए। आपका बच्चा दूसरों से बात करने में झिझकता है, उसे दूसरों से बातचीत करने दीजिए। आपके ऐसा करने से बच्चे में भावनाएं बढ़ने लगेंगी और सोशन स्किल्स यानी समाज में दूसरे लोगों से मिलना-जुलना भी बढ़ेगा।

संपादकीय

ईरान पर 'परमाणु हमला'

नौवीं बार संभावनाएं जताई जा रही हैं कि अमरीका ईरान पर 'परमाणु हमला' कर सकता है! राष्ट्रपति ट्रंरप इजरायल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नेतन्याहू के लगातार दबाव में हैं कि परमाणु हमले से ही 'ईरान समस्या' का कोई समाधान मिल सकता है। यदि ईरान पर परमाणु हमला किया गया, तो उसके बाद तीसरे विश्व युद्ध की स्थितियां 'चरम' पर होंगी। रूस, उत्तरी कोरिया, चीन और भारत भविष्य के विनाशकारी युद्ध में शामिल होने को बाध्य होंगे! लेकिन राष्ट्रपति ट्रंरप ईरान युद्ध के 8 लंबे महीनों के बाद भी दोहरी जुबान बोल रहे हैं कि ईरान के साथ 'डील' की बातचीत अच्छी चल रही है। वह युद्ध नहीं चाहते, लेकिन फिर यह भी बयान देते हैं कि हम ईरान का अस्तित्व खत्म कर देंगे। अमरीका में मध्यावधि चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं, लिहाजा अब राष्ट्रपति ट्रंरप के लिए दोनों ही विकल्प खुले हैं कि ईरान पर एक बार फिर युद्ध थोपा जाए अथवा समझौते की संभावनाओं को पुख्ता किया जाए। इसी दौरान अमरीका के वरिष्ठ पत्रकार और कभी राष्ट्रपति ट्रंरप के बेहद करीब रहे टकर कार्लसन ने 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर पोस्ट लिखी है कि अमरीका कुछ ही दिनों में ईरान के नतांज परमाणु केंद्र के करीब 'पिकएक्स पहाडियों' पर परमाणु हमला कर सकता है। इस बार 'बी 61-11' बॉम्बर्स के जरिए 'बंकरफोड़' बमबारी की जा सकती है या मिसाइलों से हमला किया जा सकता है! अमरीका पहले भी ईरान के परमाणु केंद्रों की पहाडियों पर हमले कर चुका है, लेकिन इस बार 'परमाणु सम्मत हथियारों' से हमले की संभावनाएं जताई जा रही हैं। दिलचस्प यह है कि उपराष्ट्रपति वेंस और ट्रंरप के 'विशेष दूत' स्टीव विटकॉफ युद्ध नहीं, ईरान के साथ बातचीत और डील के पक्षधर हैं। बहरहाल यदि इस बार युद्ध का विस्तार हुआ, तो कच्चे तेल की कीमतें 140 डॉलर प्रति बैरल तक उछल सकती हैं और फिर वहीं स्थिर रह सकती हैं, क्योंकि सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है। अमरीका और यूरोपीय देशों में खासकर गैस की मांग 'चरम' पर पहुंच जाती है, क्योंकि वहां के घरों को गर्म रखने के लिए गैस की बुनियादी जरूरत होती है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक, 15 देशों में ऊर्जा की जबरदस्त किल्लत है। गैस के साथ-साथ तेल के संकट भी हैं। फ्रांस, फिलीपींस, इंडोनेशिया, स्लोवाकिया, जापान सरीखे देशों में 'ऊर्जा आपातकाल' और 'राशनिंग' की व्यवस्था लागू करनी पड़ी है। जहां तक भारत का सवाल है, तो उसने अक्तूबर माह में 56 लाख बैरल तेल औसतन हररोज खरीदा है। सुखद संकेत यह है कि खाड़ी देशों से औसतन रोजाना 23 लाख बैरल तेल हररोज आयात किया जा सका है और 20 लाख बैरल तेल रूस से खरीदा है। भारत कुछ अन्य देशों से भी सीमित मात्रा में कच्चा तेल खरीद रहा है। यदि ईरान युद्ध नए सिरे से भड़कता है, तो होर्मुज के रास्ते आयात फिर बंद हो सकता है। सऊदी अरब के तेल ठिकानों पर हूती आतंकी लगातार हमले कर रहे हैं। रूस पर यूक्रेन ने इतने हमले किए हैं कि उसके 49 फीसदी तेल संयंत्र, रिफाइनरियां, तेल के संसाधन नष्ट अथवा क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। रूस से हमें नवंबर-दिसंबर में तेल की आपूर्ति निश्चित रूप से कम होगी! यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 140 डॉलर या अधिक रहीं, तो भारत में मुद्रास्फीति, आम वस्तुओं के महंगे दाम, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और 'रुपए' के अवमूल्यन की स्थितियां लगातार बनेंगी। नतीजतन भारत की आर्थिक विकास दर 7 फीसदी से कम हो सकती है। बहरहाल अमरीका के ईरान पर संभावित परमाणु हमले की समूचे देश में यह 'सामूहिक प्रतिक्रिया' सामने आ रही है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि से बाहर आए और अपनी परमाणु नीति में बदलाव करे। अर्थात परमाणु बम बनाए। ईरान के पास जितना यूरेनियम सवंर्धित है, उससे कुछ ही दिनों में 10-12 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी

प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें

त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है। मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यतः समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती।



दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर स्वास्थ्य का माध्यम बनने के बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चों को खांसी, बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी और पहले से बीमार लोगों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवा में जीवन का संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषण का जहर घुल जाए तो विकास के तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी है। 7 और 8 नवंबर के लिए निर्धारित समय सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे है। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना है। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने से रोकने के लिए सख्त निगरानी पर भी जोर दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागज पर सख्त और सड़कों पर बेअसर क्यों रह जाते हैं? हरित पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखों की बिक्री, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी और प्रतिबंधित सामग्री का खुलेआम कारोबार प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलता है। कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालों को राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता का लाभ मिलता रहा तो न्यायालयों के निर्देश भी धुएं में उड़ते रहेंगे। दीपावली के उत्सव को सीमित पटाखों, सामूहिक आतिशबाजी और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के साथ भी पूरे उल्लास से मनाया जा सकता है। उत्सव की सार्थकता शोर की तीव्रता में नहीं, बल्कि मन की प्रसन्नता और सामाजिक सद्भाव में है। यह किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सम्मान है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब दीया मिर्जा जैसी अभिनेत्री पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं तो उनके संदेश को राजनीतिक विवाद में उलझा दिया जाता है। मुंबई उच्च न्यायालय ने 3 नवंबर को बीएमसी को उनका हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पर्यावरण के मुद्दे को राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। न्यायालय की यह टिप्पणी हमारे लोकतांत्रिक विवेक को झकझोरने वाली है। आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संगठन और आम नागरिक एक साझा संकल्प के साथ आगे आएं। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण हो, वाहनों के उत्सर्जन पर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलाने पर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो। साथ ही नागरिक भी पटाखों के अनावश्यक उपयोग, कचरा जलाने और निजी वाहनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से बचें। अंततः सवाल यह नहीं है कि दीपावली पर पटाखे चलें या न चलें, सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पाएंगे? राजनीति की अपनी जगह है, धर्म और परंपराओं का अपना महत्व है, लेकिन जीवन से बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्य से बड़ी कोई परंपरा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसी की जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ों में प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसका संकट भी सबका साझा संकट है।

> विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए।

देश दुनिया से

महारैली की भीड़ ही नहीं मुद्दों को भी देखिए

मुद्दा महत्वपूर्ण होता है अथवा कोई मुद्दा उठाने वालों की संख्या? राजधानी दिल्ली में हुई विपक्ष की 'महारैली' के संदर्भ में यह सवाल उठाया जा रहा है। यह सही है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन 'इंडिया' ने दावा किया था कि 'लोकतंत्र बचाओ' वाले इस अभियान में देशभर से दस लाख नागरिक राजधानी में एकत्र होंगे। यह भी सही है कि सारी गणनाएं बता रही हैं कि उस दिन दिल्ली में देश भर से आने वालों की संख्या दस लाख नहीं थी। प्रदर्शन में शामिल होने वालों को किसी ने गिना नहीं, यह संभव भी नहीं होता। इस गणना के हमेशा अनुमान ही लगाए जाते हैं। 'महारैली' आयोजित करने वाले लाखों की उपस्थिति के अपने दावे पर अड़े हुए हैं और भाजपा के सारे नेता इस संख्या को सत्ताईस हजार से लेकर सत्तर हजार तक बताने में लगे हैं। प्रदर्शन करने वालों की संख्या कुछ भी हो, यह स्पष्ट दिख रहा है कि सत्तारूढ़ पक्ष इस 'भारी जमावड़े' से कुछ विचलित है। जिस तेज़ी से भाजपा के नेता देश भर में 'अराजकता हटाओ' की अपनी मुहिम में लग गए हैं, वह यह बताने के लिए पर्याप्त है कि 'लोकतंत्र बचाओ' का मुद्दा देश की राजनीति को कहीं गहरे तक प्रभावित कर रहा है। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि राजधानी में हुए इस प्रदर्शन में कितने हजार या कितने लाख लोग शामिल हुए थे, महत्वपूर्ण वह मुद्दा है जो प्रदर्शनकारी उठा रहे थे। मुद्दा कथित वोट चोरी का था और इस प्रदर्शन से विपक्ष इसे देशव्यापी जन-आंदोलन बनाने का प्रयास कर रहा था। इस प्रयास की सफलता का आकलन भी तत्काल संभव नहीं है, पर इतना अवश्य स्पष्ट हो गया है कि लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर विपक्ष का चलाया जाने वाला यह अभियान जनता की चिंता का विषय बनने लगा है। सत्तारूढ़ पक्ष भले ही कुछ भी कहता रहे, पर विपक्ष की राजनीतिक सक्रियता और कार्यकर्ताओं का जोश इसे बहुत हद तक सफल बता रहा है। सफल इस माने में कि आम मतदाता भी इस बारे में सोचने लगा है कि 'वोट चोरी' के आरोप में कहीं कुछ गंभीरता है। यह सही है कि ऐसी स्थितियों में तत्काल परिणाम सामने नहीं आते, पर ऐसे प्रयास आगे बढ़ने का रास्ता दिखाने लगते हैं। विपक्ष ने अपने इस प्रयास को 'लोकतंत्र बचाओ' का नाम दिया है। उसका आरोप है कि सत्तारूढ़ पक्ष 'बेईमानी' से सत्ता में आया और बेईमानी से ही सत्ता में बना हुआ है। दूसरी तरफ भाजपा के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ पक्ष विपक्ष को अराजकतावादी कहकर यह बताना चाहता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग के बहाने विपक्ष सत्ता-परिवर्तन चाह रहा है और इसके लिए वह किसी भी सीमा तक जा सकता है। हालांकि इस सीमा को परिभाषित नहीं किया जा रहा, पर यह संकेत तो मिल ही रहा है कि राजनीति के इस खतरनाक खेल में राजनेता कुछ भी कह सकते हैं, कर सकते हैं। विपक्ष की इस 'महारैली' से पहले सत्तारूढ़ पक्ष ने इस बात पर भी आपत्ति दर्ज की थी कि कांग्रेस उसी तारीख को यह आयोजन क्यों कर रही है, जब बयालीस साल पहले 1984 में राजधानी दिल्ली में सिख-विरोधी दंगे हुए थे। ज्ञातव्य है कि 31 अक्तूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद देशभर में, विशेषकर दिल्ली में, बड़े पैमाने पर सिख-विरोधी हिंसा, आगजनी और कत्लेआम हुआ था। एक से तीन नवंबर तक सिखों के विरुद्ध यह हिंसा चलती रही थी। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या और उसके बाद हुए सिख-विरोधी दंगे स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक शर्मनाक काला अध्याय है। इस अध्याय को इसलिए तो याद रखना चाहिए कि फिर कभी ऐसा कांड देश में न हो, पर राजनीतिक लाभ उठाने के लिए उसे याद करना देश के घावों को फिर से हरा करना ही होगा। यह कहना कि कांग्रेस पार्टी ने जानबूझकर एक नवंबर को यह रैली रखी, घटिया राजनीति का ही एक उदाहरण है। बहरहाल, विपक्ष का 'लोकतंत्र बचाओ' का नारा और सत्तारूढ़ पक्ष का 'अराजकता हटाओ' का नारा कुल मिलाकर एक-दूसरे के पूरक ही हैं। मतदाता सूचियों के लिए जिस तरह के आरोप लग रहे हैं, वे निश्चित रूप से चिंता का विषय हैं। देश के 19 करोड़ मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित हो जाएं, यह बात किसी भी दृष्टि से उचित नहीं लगती। मतदाताओं का निधन हो जाना, स्थानांतरण कर जाना आदि तर्क गलत नहीं हैं, पर एक भी मतदाता का मतदान के अधिकार से वंचित हो जाना हमारी चुनाव-प्रणाली की कमी ही दर्शाता है। ऐसी हर कमी दूर होनी चाहिए। इस आशय की मांग को अराजकतावाद से जोड़ना उचित नहीं कहा जा सकता। और यह भी उचित नहीं है कि घुसपैठियों को भगाने के नाम पर दलगत हितों के लिए मतदाता सूची में फेर-बदल हो! घुसपैठियों, विशेषकर बांग्लादेशियों, को वोट का अधिकार नहीं मिलना चाहिए, यह तो सही है, पर सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि तीन करोड़ विदेशी भारत में कैसे रह रहे हैं। हां, पहली बार देश के गृहमंत्री ने देश में तीन करोड़ घुसपैठियों के होने की बात स्वीकार की है। यह सवाल तो सरकार से पूछा ही जाना चाहिए कि इतने घुसपैठिए देश में घुसे कैसे और देश में रह कैसे रहे हैं? गृहमंत्री यह आरोप भी लगा रहे हैं कि विपक्ष इन घुसपैठियों को अपने वोट बैंक की तरह देखता है। इस आरोप की पुष्टि भी होनी चाहिए। राजधानी दिल्ली में हुई विपक्ष की 'महारैली' की सफलता-असफलता के संदर्भ में ये सारे मुद्दे उठाए जा रहे हैं। इनकी जांच-पड़ताल होनी ही चाहिए। लेकिन सफलता-असफलता इस आधार पर तय नहीं हो सकती कि कितने लोग रैली में एकत्र हुए अथवा कितने लाए गए या अपने आप आए। इस सबका आकलन इस बात से होना चाहिए कि जो मुद्दे इस रैली में उठे, देश में लोकतंत्र की रक्षा के लिए उनका कितना महत्व है।



आप का नज़रिया

निजी क्षेत्र से वित्तीय सहयोग

वाइल्ड फ्लावर हॉल के मार्फत आ रही कमाई का हक अगर जीवंत रखा जाए तो हिमाचल की संपत्तियां अपना सदुपयोग करेंगी। जाहिर तौर पर वाइल्ड फ्लावर हॉल की कानूनी लड़ाई ने हिमाचल के स्वामित्व अधिकार लौटाते हुए नई आर्थिक भूमिका पैदा की है। ई-नीलामी के जरिए हिमाचल को वार्षिक राजस्व का 47.1 प्रतिशत हिस्सा मिल रहा है, तो अग्रिम लाइसेंस फीस के 48 करोड़ और होटल संपत्ति में 50 करोड़ का न्यूनतम निवेश भी तय हुआ है। अपनी ही मिलकीयत में कानूनी प्रतिनिधित्व की यह अनूठी मिसाल है जो प्रदेश में विनिवेश की अवधारणा को तर्कसंगत बनाएगी। सरकार ने मानदंड तय करते हुए संपत्ति के बदले चार सौ करोड़ की राशि भी प्राप्त की है। भविष्य की आर्थिक संरचना में प्रदेश को अलाभकारी संपत्तियों की घाटे में रखवाली करने के बजाय निजी क्षेत्र के साथ वित्तीय सहयोग करने के अवसर बढ़ाने होंगे। पर्यटन निगम के ही कई होटल व रेस्तरां अगर घाटे के दौर में पहुंच गए हैं, तो उन्हें पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप में चलाना चाहिए। घाटे के बस डिपो, बस रूट और सार्वजनिक बोर्ड-निगमों की वित्तीय कमजोरियों को निजी क्षेत्र के सफल सहयोग के साथ बांट लेना चाहिए। वित्तीय हिफाजत या जवाबदेही के लिए यह जरूरी है कि पूरी व्यवस्था को बदला जाए। हिमाचल की कूरियर सेवाओं के साथ एचआरटीसी का गठबंधन हो जाए, तो घाटे की बसों को निजी क्षेत्र के साथ कूरिअर आमदन बांटने का अवसर मिलेगा। हिमाचल आ रही निजी वोल्वो बसों की कमाई का एक बड़ा कारण यह भी है कि प्रदेश का व्यापारी वर्ग अपना माल इनके माध्यम से ढो रहा है। सरकारी संपत्तियों का ऑडिट बता सकता है कि कितने भवन, कितने वाहन, कितने दफ्तर और कितने कर्मचारी-अधिकारी अवांछित हैं। आर्थिक संसाधन बढ़ाने से पहले फिजूलखर्ची रोकना तथा कुशल वित्तीय प्रबंधन है। सरकार अगर कुछ शिक्षण संस्थाएं या अनावश्यक संस्थान-दफ्तर बंद करती है, तो इसका मूल्यांकन सही परिप्रेक्ष्य में होना चाहिए। बात गुणवत्ता और काबिलीयत बढ़ाने की है, तो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को अपने खर्चे कम करने होंगे। प्रदेश के निजी क्षेत्र के बड़े आपरेटर, ट्रक व टैक्सी आपरेटर, सरकारी बसों से भिन्न बस या टैक्सी डिपो नहीं बनाते हैं।

> जाहिर तौर पर वाइल्ड फ्लावर हॉल की कानूनी लड़ाई ने हिमाचल के स्वामित्व अधिकार लौटाते हुए नई आर्थिक भूमिका पैदा की है। ई-नीलामी के जरिए हिमाचल को वार्षिक राजस्व का 47.1 प्रतिशत हिस्सा मिल रहा है, तो अग्रिम लाइसेंस फीस के 48 करोड़ और होटल संपत्ति में 50 करोड़ का न्यूनतम निवेश भी तय हुआ है। अपनी ही मिलकीयत में कानूनी प्रतिनिधित्व की यह अनूठी मिसाल है जो प्रदेश में विनिवेश की अवधारणा को तर्कसंगत बनाएगी। सरकार ने मानदंड तय करते हुए संपत्ति के बदले चार सौ करोड़ की राशि भी प्राप्त की है। भविष्य की आर्थिक संरचना में प्रदेश को अलाभकारी संपत्तियों की घाटे में रखवाली करने के बजाय निजी क्षेत्र के साथ वित्तीय सहयोग करने के अवसर बढ़ाने होंगे। पर्यटन निगम के ही कई होटल व रेस्तरां अगर घाटे के दौर में पहुंच गए हैं, तो उन्हें पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप में चलाना चाहिए। घाटे के बस डिपो, बस रूट और सार्वजनिक बोर्ड-निगमों की वित्तीय कमजोरियों को निजी क्षेत्र के सफल सहयोग के साथ बांट लेना चाहिए। वित्तीय हिफाजत या जवाबदेही के लिए यह जरूरी है कि पूरी व्यवस्था को बदला जाए। हिमाचल की कूरियर सेवाओं के साथ एचआरटीसी का गठबंधन हो जाए, तो घाटे की बसों को निजी क्षेत्र के साथ कूरिअर आमदन बांटने का अवसर मिलेगा। हिमाचल आ रही निजी वोल्वो बसों की कमाई का एक बड़ा कारण यह भी है कि प्रदेश का व्यापारी वर्ग अपना माल इनके माध्यम से ढो रहा है।

अगर डीजल बसों को इलेक्ट्रिक में बदल कर सरकार करोड़ों कमा रही है, तो पांच नए इलेक्ट्रिक बस डिपो खड़े करने का खर्च अलाभकारी ही साबित होगा। हैरानी तो यह कि नगरोटा और धर्मशाला से मात्र 18-20 किलोमीटर की दूरी पर कांगड़ा में बस डिपो बनाने की घोषणा हो चुकी है। जाहिर तौर पर पूरे प्रदेश की आर्थिक, भौतिक, प्राकृतिक और व्यापारिक संपदा पर सरकार का दखल स्पष्ट है और अगर इस भूमिका में सारा अवलोकन आर्थिक धरातल पर किया जाए, तो जनता भी साथ देगी। हिमाचल की सियासी दौड़ ने आम नागरिक को सिर्फ घोषणाएं और विकास के शिलालेख ही दिए हैं, जबकि जनता को आर्थिक तरक्की का पार्टनर बनाना होगा। पंजाब राज्य के मुकाबले हिमाचल ने सबसे अधिक सरकारी कालेज, विश्वविद्यालय, मेडिकल कालेज व बस डिपो खोले हैं। पर्वतीय विकास में आरंभिक गतिशीलता बेशक सरकारी ढांचे की मजबूती से ही आई, लेकिन अब जनता स्वयं निजी क्षेत्र पर भरोसा कर रही है। अच्छे स्कूल, कालेज, अस्पताल व बसों की तलाश में हिमाचल की जनता का रुझान निजी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। पिछले दस सालों से पर्यटन के डेस्टिनेशन स्थलों से निजी वोल्वो बसों का एक बड़ा बेड़ा हिमाचल में तैयार हो गया। अब यही ट्रेंड प्रदेश के विभिन्न शहरों से आगे बढ़ रहा है। चंडीगढ़, अमृतसर, लुधियाना, हरिद्वार, देहरादून व कुछ अन्य शहरों के लिए अब हिमाचल के विभिन्न भागों से वोल्वो, डीलक्स, एसी या छोटे वाहन दैनिक रूप से चल रहे हैं और इसके परिणामस्वरूप सरकारी बसों के रूट असफल हो रहे हैं।

कुछ अलग

आइए, किताब तेरस का लाभ उठाइए

किताब प्रेमियों को यह जानकर दिमागी प्रसन्नता होगी कि इस बार किताब तेरस मनाते हम उन पर किताब वर्षा करने जा रहे हैं। ऐसी किताब वर्षा कि जिस किताब प्रेमी का मन किताब की जिल्द खरीदने तक को आज तक नहीं हुआ, वह भी किताब खरीदने को लालायित हो उठेगा, किताब पढने को मन न होने के बाद भी। किताब पढने को कराह उठेगा। अपनी अन्य कराहटों को दबाता हुआ। अबके किताब तेरस पर हमारी ओर से किताबबाजों पर जो किताब वर्षा की जा रही है, वह किसी अमृत वर्षा से कम नहीं। किताब तेरस को हम लेकर आए हैं, अपने किताबबाजों को एक से एक चमत्कारी किताबी ऑफरें। मसलन- पांच सौ रुपए तक की किताबों की फिफ्टी परसेंट डिस्काउंट के साथ ऑनलाइन खरीददारी पर पिज्जा, बर्गर की तरह होम डिलीवरी बिल्कुल फ्री। नो शिपिंग चार्ज। यही नहीं, इसके साथ ही साथ चुनिंदा किताबों पर अस्सी प्रतिशत तक की सीधी छूट।

दृष्टि कोण

राजनीति में क्यों आएं युवा?

आमतौर पर एक सामान्य व्यक्ति शांतिप्रिय, ईमानदार, सहयोगी और अपने काम से काम रखने वाला होता है। वह समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखना चाहता है। इसके विपरीत राजनीति में प्रवेश करने वाले अनेक लोग महत्वाकांक्षी हो जाते हैं और किसी न किसी तरह सत्ता एवं प्रभाव हासिल करने की कोशिश करते हैं। प्रसिद्ध नाटककार जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने अपने नाटक 'द एप्पल कार्ट' में आम जनता और राजनेताओं के संबंधों पर व्यंग्य करते हुए एक रोचक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके अनुसार आम जनता पांच वर्षों के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनती है और उन्हें एक गुब्बारे में बैठाकर ऊपर भेज देती है। गुब्बारे में बैठे राजनेता पांच वर्षों तक जनता से दूर रहते हैं, जबकि जनता उनसे किए गए वादों को पूरा होने की उम्मीद में आसमान की ओर देखती रहती है। इस दौरान आम आदमी की जेब खाली होती जाती है। पांच साल बाद गुब्बारा वापस आता है और फिर वही प्रक्रिया दोहराई जाती है। परिणामस्वरूप आम आदमी और गरीब होता जाता है, जबकि राजनेता अधिक समृद्ध होते जाते हैं। इस प्रकार राजनीति कई बार आम जनता के शोषण का माध्यम बनती दिखाई देती है। इसे युवा ही रोक सकते हैं। महात्मा गांधी ने भी राजनीति के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा था, 'जो व्यक्ति यह कहता है कि उसे राजनीति में कोई रुचि नहीं है, वह उस डूबते हुए व्यक्ति के समान है जो कहता है कि उसे पानी में कोई रुचि नहीं है।' इस विषय पर आगे बढने से पहले यह समझना आवश्यक है कि राजनीति का वास्तविक अर्थ क्या है। दुर्भाग्यवश, अधिकांश लोगों के मन में राजनीति को लेकर नकारात्मक धारणा बनी हुई है। वे इसे भ्रष्टाचार, अनैतिकता और अनुचित हथकंडों का खेल मानते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि राजनीति का संबंध किसी देश या क्षेत्र के शासन, प्रशासन और नीतियों के निर्माण से है। पुराने घाघ नेताओं की मौजूदगी के चलते भारतीय राजनीति में प्रवेश करना किसी युवा के लिए अब आसान नहीं है। इसके लिए आर्थिक रूप से मजबूत होना और जनता के बीच अच्छी पहचान तथा समर्थन होना बहुत जरूरी है। एक आम आदमी जो बड़ी मुश्किल से अपना घर चलाता है और अपनी जरूरतों पर ही पैसा खर्च करता है, उसके लिए किसी राजनीतिक पार्टी से चुनाव लडने का टिकट पाने के लिए लाखों या करोड़ों रुपए खर्च करना आसान नहीं है। अगर कोई व्यक्ति निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लडना चाहता है, तो उसे भी अपने प्रचार-प्रसार और चुनाव जीतने के लिए काफी पैसा खर्च करना पड़ता है। दूसरी बड़ी समस्या जनता का समर्थन हासिल करना है। ऐसे में किसी युवा, योग्य और ईमानदार व्यक्ति के लिए जनता का समर्थन हासिल करना कठिन हो सकता है। इसके अलावा भारतीय राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे कुछ उम्मीदवारों और नेताओं की मौजूदगी भी एक चिंता का विषय है। ऐसे माहौल में एक सामान्य व्यक्ति के लिए अपनी जगह बनाना और राजनीति में टिके रहना आसान नहीं होता। इन मुश्किलों के बावजूद युवा यह भी सोचें कि हम 21वीं सदी में रह रहे हैं, जहां एक ओर दुनिया तेजी से एक-दूसरे के करीब आ रही है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर अस्थिरता भी बढ़ रही है। ऐसे समय में देश को सही दिशा में आगे ले जाने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी के कंधों पर है। देश की प्रगति, शांति और स्थिरता के लिए युवाओं का जागरूक और जिम्मेदार होना बेहद जरूरी है। आज शिक्षा, खेल और राजनीति जैसे जीवन के विभिन्न क्षेत्र एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि आपस में जुड़े हुए हैं। जब 18 वर्ष की आयु में किसी युवा को मतदान का अधिकार दिया जाता है और वह वाहन चलाने के लिए लाइसेंस प्राप्त कर सकता है।





पंजाब किंग्स ने सीएसके से यांनसन के ट्रेड ड्रील की संभावनाओं को खारिज किया

चेन्नई

आईपीएल फ्रैंचाइजी पंजाब किंग्स ने कहा है कि वह दक्षिण अफ्रीकी आलराउंडर मार्को यानसन को लेकर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) या किसी अन्य टीम के साथ किसी प्रकार की ट्रेड डील पर बात नहीं कर रही है। इससे पहले कहा जा रहा था कि पंजाब किंग्स यानसन को ट्रेड डील के जरिये सीएसके को दे सकती है।

वहीं अब पंजाब फ्रेंचाइजी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल उन्हें रिलीज या ट्रेड करने का उनका कोई इरादा नहीं है, जिससे यानसन के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। यानसन के लिए आईपीएल 2026 का सत्र अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए 12 मैचों में केवल 9 विकेट लिए, जहां उनका गेंदबाजी औसत 53.66 और इकानमी रेट 10.20 रहा, जो टीम के लिए काफी महंगा साबित हुआ। वहीं बल्लेबाजी में भी वे पांच पारियों में सिर्फ 51 रन ही बना पाए जबकि 2025 की नीलामी में पंजाब ने उन्हें 7 करोड़ रुपये खर्च करके अपनी टीम में शामिल किया था पर आईपीएल में उनका प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा था कि पंजाब उन्हें छोड़ सकती है। वहीं आईपीएल के खराब प्रदर्शन के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मार्को यानसन का बेहरीन प्रदर्शन जारी रहा। दक्षिण अफ्रीका के लिए उन्होंने इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की है। माना जा रहा है कि उनकी इसी बेहतरीन फार्म को देखते हुए पंजाब किंग्स उन्हें अपनी टीम में बनाए रखना चाहती है, जिससे वे आगामी सीज़न में अपनी आलराउंड क्षमता का पूरा प्रदर्शन कर सकें और टीम को मजबूती प्रदान कर सकें। वहीं दूसरी ओर सीएसके का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा। इसलिए वह इस बार टीम में बदलाव चाहती है। इसी कारण फ्रेंचाइजी प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा जैसे दो खिलाड़ियों को रिलीज करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इन दोनों खिलाड़ियों को पिछले आक्शन में 14.20-14.20 करोड़ रुपये की बड़ी रकम देकर खरीदा गया था। इस कदम का मुख्य उद्देश्य नीलामी के लिए अपने पर्स को बढ़ाना है, जिससे टीम के पास बड़े खिलाड़ियों पर दांव लगाने के लिए अधिक पूंजी उपलब्ध हो सके।अभी सीएसके के पास 2.40 करोड़ रुपये का पर्स बचा हुआ है, जिसमें वार्षिक सैलरी कैप में 5 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी भी शामिल होगी। अगर प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा दोनों को रिलीज किया जाता है, तो टीम के पास अतिरिक्त 28.40 करोड़ रुपये आ जाएंगे। इस तरह, अन्य संभावित बदलावों से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के पास कुल लगभग 35.80 करोड़ रुपये का एक मजबूत पर्स हो सकता है। यह बड़ा पर्स सीएसके को नीलामी में अपनी पसंद के बड़े खिलाड़ियों पर दांव लगाने और अपनी टीम को और भी मजबूत बनाने का अवसर प्रदान करेगा।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू क्रिकेट से ही होगी हार्दिक की भारतीय टीम में वापसी : शुभमन



आकलैंड। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल का कहना है कि लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे आलराउंडर हार्दिक पंड्या की राष्ट्रीय टीम में वापसी तभी होगी जब वह घरेलू क्रिकेट में अपनी फिटनेस साबित करेंगे। शुभमन के अनुसार हार्दिक को पहले मुश्ताक अली ट्राफी या विजय हजारे ट्राफी में खेलकर अपनी लय हासिल करनी होगी। पंड्या चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह न्यूजीलैंड दौर में भी शामिल नहीं किये गये। शुभमन ने माना है कि हार्दिक जैसे आलराउंडर की टीम को जरुरत है पर कहा कि उनकी वापसी में जल्द बाजी कर जोखिम नहीं लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन विश्व कप के लिए हार्दिक की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। कप्तान के अनुसार, हार्दिक एक असाधारण आल-राउंडर हैं, उनकी जैसी क्षमता दुनिया के बहुत कम खिलाड़ियों के पास है। उन्होंने हार्दिक की गेंदबाजी कौशल की भी सराहना की, यह बताते हुए कि उन्हें एक गेंदबाज के तौर पर खेल के अलग-अलग हिस्सों में, चाहे वह नई गेंद हो या पुरानी, इस्तेमाल किया जा सकता है।साथ ही कहा कि उनकी हार्दिक से कई बार बात हुई है और वह अपनी चोटों को लेकर बदकिस्मत रहे हैं। गिल ने कहा, हार्दिक आईपीएल के बाद से ही नहीं खेले हैं। उम्मीद है, वह जल्द ही वापस आएंगे। वह कुछ घरेलू क्रिकेट खेलेंगे।

टीम में जगह नहीं मिलने से निराश हैं सरफराज

नई दिल्ली। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिलने से



बल्लेबाज सरफराज खान निराश हैं। सरफराज का कहना है उन्हें लगातार मेहनत के बाद भी उसका फल नहीं मिल रहा। जिससे अब उन्हें लगता है कि वह इतनी मेहनत ही क्यों कर रहे हैं। फरवरी 2024 में भारतीय टेस्ट टीम में पदार्पण के बाद सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट अक्टूबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला था। उसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था ओर तभी से वह वापसी की राह देख रहे हैं। सरफराज ने कहा कि अब वह अधिक सोचते नहीं हैं, लेकिन हर सुबह उठकर उनके मन में यही सवाल आता है, आखिर मुझे इतनी मेहनत क्यों करनी चाहिए उन्होंने आगे कहा कि सुबह पांच बजे उठने के साथ वही पुरानी दिनचर्या शुरू हो जाती है। सरफराज ने माना है न्यूजीलैंड के खिलाफ 2024 में पुणे और मुंबई में खेले गए पिछले चार टेस्ट पारियों में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां उन्होंने वह 11, 9, 0 और 1 रन बनाए थे। इसी के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया। हालांकि, इस मुश्किल दौर में उनके पिता नौशाद खान ही उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। सरफराज ने बताया कि जब कभी निराशा उन्हें घेरती है और मेहनत जारी रखने पर सवाल उठता है, तो पिता से ही उन्हें और बेहतर खेलने की प्रेरणा मिलती है।

लंचेनबी चानू: यूथ ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर रचा इतिहास, वुशु में ऐसा करने वाली पहली भारतीय बनीं



डकार (सेनेगल)। भारतीय वुशु खिलाड़ी राजकुमारी लंचेनबी चानू ने यहां यूथ ओलंपिक खेलों की महिला चांगक्वान संयुक्त स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह वुशु में इस प्रतियोगिता का पदक हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। मणिपुर की रहने वाली चानू ने कुल 18.039 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। मिस्र की सोंडोस सोनबोल ने 18.660 अंक के साथ स्वर्ण पदक जबकि वेनेजुएला की वालेरिया फ्रैनरीस डुडामेल ने 18.199 अंक के साथ रजत पदक जीता। भारतीय खिलाड़ी ने चांगक्वान स्पर्धा में 9.316 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि गुनशु स्पर्धा में 8.723 अंक के साथ वह तीसरे स्थान पर रहीं। डकार यूथ ओलंपिक में भारत अब तक एक रजत और दो कांस्य पदक जीत चुका है। इससे पहले सोमवार को यूथ खिलाड़ी खुशबू राजकभाई ने रजत पदक जीतकर प्रतियोगिता में अपना अभियान समाप्त किया था। वह यूथ ओलंपिक में पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय जुडोका बनी थीं। वहीं तैराकी की उभरती खिलाड़ी धिनिधि देसिंघु ने भी शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया था।

गेंदबाजों का कहर, कोहली का प्रहार

न्यूजीलैंड को पहले वनडे में 5 विकेट से हराकर भारत ने बनाई 1-0 की बढ़त, विराट ने जड़ा 80वां वनडे अर्धशतक

अंशुल कंबोज का शानदार प्रदर्शन, 22 रन देकर झटके 2 विकेट; 125-140 किमी तक बढ़ाई गेंदबाजी की रफ्तार

ऑकलैंड।

भारतीय क्रिकेट टीम ने वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड को 5 विकेट से करारी शिकस्त देकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। ऑकलैंड के ईडन पार्क में बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में भारत ने डकवर्थ-लुईस नियम के तहत मिले 143 रनों के संशोधित लक्ष्य को 22.4 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की पूरी टीम 41वें ओवर में 185 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारतीय पारी के दौरान दो बार बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा, जिसके चलते लक्ष्य में बदलाव किया गया।

भारतीय गेंदबाजों के सामने बेबस कीवी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जिसे तेज गेंदबाजों ने सही साबित कर दिया। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और विल यंग 9 रन बनाकर 22 रन के कुल स्कोर पर पहले विकेट के रूप में आउट हो गए। इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे और कीवी टीम कोई बड़ी साझेदारी करने में नाकाम रही।

विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 2 छक्के और 3 चौके लगाए। डेरिल मिचेल ने 28 तथा ग्लेन फिलिप्स ने 30 रन का योगदान दिया। मिचेल को रोहित शर्मा ने रन आउट किया। अन्य बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके।





एक समय 146 रन पर 9 विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही न्यूजीलैंड की टीम को ब्लेयर टिकनर ने संभाला। आखिरी क्रम में बल्लेबाजी करने आए टिकनर ने 23 गेंदों पर 34 रन की शानदार पारी खेली। दसवें विकेट के लिए टिकनर और डफी (15 रन) के बीच 39 रनों की साझेदारी हुई, जिससे न्यूजीलैंड की टीम 185 रन तक पहुंच सकी।

भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने सर्वाधिक 4 विकेट झटके। गुरनूर बरार ने 3 विकेट हासिल किए, जबकि अंशुल कंबोज ने 10 ओवर में 2 मेडन सहित मात्र 22 रन देकर 2 विकेट लिए।

विराट का तूफानी अर्धशतक

186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। रोहित शर्मा पहले ही ओवर में बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली ने पारी को संभाला। विराट शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते नजर आए।

विराट कोहली ने तेजी से रन बनाते हुए मात्र 35 गेंदों में अपना 80वां वनडे अर्धशतक पूरा किया। भारत ने 114 रन के स्कोर पर शुभमन गिल का विकेट गंवाया। गिल ने 56 गेंदों पर 37 रन बनाए। इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया। विराट कोहली 51 गेंदों पर 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए।

पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए अक्षर पटेल खाता भी नहीं खोल सके, जबकि श्रेयस अय्यर ने 15 रन बनाए। अंत में नमन धीर ने चौका लगाकर भारतीय टीम को जीत दिला दी। न्यूजीलैंड की ओर से जैकब डफी ने 3 विकेट लिए, जबकि नाथन स्मिथ और काइल जेमिसन को एक-एक सफलता मिली। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

अंशुल कंबोज की रफ्तार और सटीकता का कमाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। किसी तेज गेंदबाज के लिए केवल तेज गति से गेंद डालना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि बल्लेबाज की कमजोरी को समझकर सही लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करना भी जरूरी होता है। अंशुल ने इस मुकाबले में अपनी गेंदबाजी से यही साबित किया।

25 वर्षीय हरियाणा के इस तेज गेंदबाज ने 10 ओवर में मात्र 22 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। उन्होंने 2 ओवर मेडन भी डाले। खास बात यह रही कि पूरे स्पेल के दौरान उन्होंने अपनी लाइन और लेंथ पर शानदार नियंत्रण बनाए रखा।

मैनचेस्टर टेस्ट से शुरू हुई सुधार की कहानी

अंशुल कंबोज के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शुरुआती सफर आसान नहीं रहा। जुलाई 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट में उन्हें चोटिल अर्शदीप सिंह की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया था। अभ्यास के दौरान अर्शदीप की उंगली में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह चौथे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं थे।

भारतीय टीम को अंशुल से उम्मीद थी कि वह 135 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करेंगे, लेकिन मैनचेस्टर में उनकी गेंदों की गति लगभग 125 किलोमीटर प्रति घंटे ही रही। उनके बचपन के कोच सतीश राणा भी इस प्रदर्शन को देखकर हैरान थे।

समस्या केवल गेंदबाजी की लाइन और लेंथ तक सीमित नहीं थी। कोच ने जब मैनचेस्टर टेस्ट के वीडियो का बारीकी से विश्लेषण किया, तो पता चला कि अंशुल का रन-अप सही लय में नहीं था। इसके बाद उनकी गेंदबाजी की बुनियादी तकनीक में सुधार करने का फैसला लिया गया।

कोच ने रन-अप छोटा कराया, घंटों कराया अभ्यास

मैनचेस्टर में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अंशुल और उनके बचपन के कोच सतीश राणा ने गेंदबाजी की बुनियादी कमियों को दूर करने पर काम शुरू किया। कोच ने उनका रन-अप करीब दो गज छोटा कराया। इसके बाद उनकी फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया गया।

अंशुल ने अपनी गेंदबाजी में निरंतरता लाने के लिए घंटों एक ही लेंथ पर गेंद डालने का अभ्यास किया। लगातार मेहनत और तकनीक में सुधार का नतीजा रहा कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी की रफ्तार को लगभग 125 से बढ़ाकर 135 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचाया। न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में उनका प्रदर्शन इसी मेहनत और आत्मविश्वास का परिणाम माना जा रहा है।

सुरेश रैना ने CSK से मांगी कोचिंग की जिम्मेदारी:कहा- फ्रेंचाइजी से बात की



चेन्नई । पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स के कोचिंग स्टाफ से जुड़ने की इच्छा जताई है। उन्होंने फ्रेंचाइजी से कोचिंग में जगह देने की मांग भी की है। हालांकि, अब तक उन्हें इस बारे में कोई जवाब नहीं मिला है। रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स में पूर्व साथी रहे रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा- 'मैंने अपनी इच्छा बता दी है और अब फैसला ष्टस्च को करना है। मेरे लिए सबसे अहम बात चेन्नई के साथ रहना और टीम को ट्रॉफी जिताने में मदद करना है। रैना ने ष्टस्च के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए रैना को उनके चेन्नई सुपर किंग्स प्रदर्शन के कारण 'मिस्टर चेन्नई सुपर किंग्स के नाम से जाना जाता है। संन्यास के बाद वे क्रिकेट एक्सपर्ट और कमेंटेटर के तौर पर काम कर रहे हैं। रैना 2008 के 2021 तक ष्टस्च से जुड़े रहे। बीच में जब चेन्नई सुपर किंग्स 2 साल के लिए सस्पेंड थी, तब 2016 और 2017 के सीजन में उन्होंने नई टीम गुजरात लायंस की कप्तानी की थी। रैना चेन्नई सुपर किंग्स के साथ धोनी की कप्तानी में IPL में 4 खिताब और 2 चैंपियंस लीग खिताब जीते। वे चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं।

डब्ल्यूटीए 125 टेनिस टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना बना रहा टीएनटीए

चेन्नई

तमिलनाडु टेनिस संघ (टीएनटीए) अगले साल से देश में तीन से चार डब्ल्यूटीए 125 टेनिस टूर्नामेंट आयोजित कर सकता है। दिग्गज टेनिस स्टार विजय अमृतराज भी टीएनटीए के इस कदम का समर्थन कर रहे है। उनका कहना है कि चेन्नई ओपन जैसे डब्लूटीए टूर्नामेंट की मेजबानी खोने के बाद किसी न किसी मुकाबले की सख्त जरुरत है। जिससे कि उभरती हुई प्रतिभाओं को कोई मंच मिल सके।

अमृतराज का कहना है कि चेन्नई ओपन को भारत में ही बनाये रखे जाने की जरुरत थी पर डब्ल्यूटीए इसके लिए तैयार नहीं था। इसके पीछे उसने खराब मौसम और फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा इला के उभरने को बताया। एलेक्जेंड्रा के विजेता बनने के कारण नियमों के तहत टूर्नामेंट की मेजबानी फिलीपींस को दे दी गयी। अमृताराज ने ये भी माना है कि मौसम ठीक नहीं होने के कारण भारत में चेन्नई ओपन में बेहतर रैंकिंग वाले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी नहीं आ रहे थे। इससे भी फिलीपींस का पलड़ा भारी पड़ गया।

इला, महिला रैंकिंग में शीर्ष 20 खिलाड़ियों में शामिल हैं और विंबलडन में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही एक स्टार के रुप में उभरी हैं। उनके कारण भी टूर्नामेंट फिलीपींच चला गया। अमृतराज ने कहा कि हम 2027 के लिए फिलहाल डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट आयोजित करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं पर डब्ल्यूटीए 125 और 125 प्लस एच श्रेणी के कुछ और टूर्नामेंट आयोजित कराने की दिशा में हमारी तैयारी अच्छी चल रही है। हम जनवरी-फरवरी 2028 में तीन या चार टूर्नामेंट कराने की उम्मीद कर रहे हैं।

इसका मुख्य लक्ष्य भारतीय खिलाड़ियों, खासकर महिला खिलाड़ियों को



अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने का अवसर दिलाना है। अभी महिला खिलाड़ियों के पास केवल एक ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है जो पर्याप्त नहीं है। अमृतराज ने कहा, इससे वैष्णवी, सहजा और अन्य भारतीय लड़कियों को लगातार कई टूर्नामेंट खेलने का मौका मिलेगा। उन्हें सिर्फ एक डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ।

अमृतराज का मानना है कि डब्ल्यूटीए 125 टूर्नामेंटों की यह श्रृंखला भारतीय खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक जुटाने और पेशेवर टेनिस में आगे बढ़ने का बेहतर अवसर दे सकती है। साथ ही कहा कि अगर आप अच्छा खेलने में सक्षम हैं तो डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट में दो मैच जीतने पर निश्चित रूप से ज्यादा अंक मिलते हैं। लेकिन सबसे पहले आपको मुख्य ड्रा में जगह बनानी होती है, जिसके लिए वाइल्ड कार्ड जैसी व्यवस्था पर निर्भर रहना पड़ता है। डब्ल्यूटीए 125 टूर्नामेंट में मुख्य ड्रा में जगह बनाना आम तौर पर अधिक आसान होता है।

इंदौर टेबल टेनिस लीग : पावर पैंथर ने 8-3 से दर्ज की जीत, तीन अन्य टीमें भी जीतीं

चैलेंज मैचों में थंडर स्ट्राइकर्स, स्मैश मास्टर्स, ओलिंपिया वारियर्स और विक्ट्री ईगल ने किया पलटवार

इंदौर

द्वितीय इंदौर टेबल टेनिस लीग के शुरुआती मुकाबलों में पावर पैंथर, टेबल टाइटन्स, रायल ब्लेजर और स्पिन एवेंजर्स ने जीत दर्ज की। पावर पैंथर ने थंडर स्ट्राइकर्स को 8-3 से हराया, जबकि अन्य तीन टीमों ने भी अपने मुकाबले जीते। चैलेंज मैचों में चारों मुकाबलों के परिणाम पलट गए। मुख्य मैचों में हारने वाली टीमों ने चैलेंज मैच जीतकर वापसी की। प्रतियोगिता इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में अभय प्रशाल में खेली जा रही है।

पावर पैंथर ने थंडर स्ट्राइकर्स को 8-3 से पराजित किया। विजेता टीम की ओर से मृदुल पुरोहित ने लक्ष्या ओझा, आरवी जैन ने सिद्धिक्षा जैन, प्रशांत-प्रथम ने नीरज-रुद्र, आर्जव पाठक ने पुण्यांश जैन, भाव्यांशी सोनी ने ईवा खान, नक्षत्रराज सिंह ने आर्या गुप्ता, अबीर सोनगरा ने मृनाल ठाकुर, हिया पटेल ने पूजा भार्गव, प्रशांत महंत ने नीरज और प्रथम बाथम ने रुद्र को 2-0 से हराया। चैलेंज मैच में थंडर स्ट्राइकर्स ने पावर पैंथर को 6-5 से पराजित किया।

टेबल टाइटन्स ने स्मैश मास्टर्स को 6-5 से शिकस्त दी। अबु बकर ने मयंक सादेल, नेहल नाहर ने हनु धनोतिया और मनीष-अनुज ने राजेश-चैतन्य को 2-0 से हराया। अर्णव शेगांवकर ने द्युमनी दत्ता को 2-1 से पराजित किया। आर्या जोरे ने नेवेद्य भारतीय, कियान ने रुद्रांश झा और आर्ना उपाध्याय ने भूमिका साहुकार को 2-0 से हराया। मनीष ने चैतन्य करोडे को 2-0 से पराजित किया। चैलेंज मैच में स्मैश मास्टर्स ने टेबल टाइटन्स को 6-4 से हराया।

रायल ब्लेजर ने ओलिंपिया वारियर्स को 6-5 से हराया। वंश चौहान ने अभि जैन, सिद्धि



भदौरिया ने सावी गर्ग, तुषार-कार्तिकेय ने हेमंत-प्रमोद सोनी, सार्थक खरे ने लक्ष्य भदौरिया, दिशा रघुवंशी ने धृति मेहता और आरव कासट ने साकार भार्गव को पराजित किया। अयांश मालू ने शुभ अग्रवाल को 2-1 से तथा राधिका भार्गव ने सुरभि को 2-0 से हराया। प्रमोद सोनी ने तुषार शर्मा और कार्तिकेय कौशिक ने हेमंत रमन को 2-0 से पराजित किया। चैलेंज मैच में ओलिंपिया वारियर्स ने रायल ब्लेजर को 5-4 से हराया।

स्पिन एवेंजर्स ने विक्ट्री ईगल को 6-5 से शिकस्त दी। मृदुल जोशी ने रिदम गदिया को 2-0 से, आकांक्षा ठाकुर ने सानवी सिंघल को 2-1 से, विशाल-रोशन ने कपिल-आराध्या को 2-1 से, मीत मिमरोट ने लक्षित को 2-1 से, आध्या पाराशर ने आरोही मोदी को 2-0 से, आर्यान ठाकुर ने विराट वानखेड़े को 2-0 से, अयान डगरिया ने यदुवीर सिंह सोलंकी को 2-0 से और आराध्या राजपूत ने भाग्यश्री दवे को 2-1 से हराया। विशाल जोशी ने कपिल जैन को 2-0 से तथा रोशन जोशी ने साउद खान को 2-1 से पराजित किया। चैलेंज मैच में विक्ट्री ईगल ने स्पिन एवेंजर्स को 6-1 से हराया।

पहाड़िया के आतिथ्य में हुआ लीग का शुभारंभ - प्रतियोगिता का शुभारंभ इंदौर नगर निगम की महापौर परिषद के सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया के मुख्य आतिथ्य तथा मध्यप्रदेश ओलिंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सानी की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर मध्यप्रदेश टेबल टेनिस संगठन के जयेश आचार्य, प्रमोद सोनी, जिला सचिव नीलेश वेद और गौरव पटेल उपस्थित रहे।

निस्वार्थ अन्नसेवा से मानवता और सेवा संस्कारों को मिल रही नई दिशा



हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास बुधवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने पूरे सेवाभाव, श्रद्धा और समर्पण के साथ जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का पुनीत कार्य किया। नियमित रूप से संचालित हो रही इस अन्नसेवा के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाने के साथ-साथ समाज में सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का मानना है कि मानव सेवा से बढ़कर कोई दूसरा धर्म नहीं है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसके जीवन में खुशियों और संतोष का संचार करना भी है। अन्नसेवा जैसे कार्य समाज को यह प्रेरणा देते हैं कि सामर्थ्य के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। जब सेवा का कार्य निस्वार्थ भावना और सामूहिक सहयोग से किया जाता है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर दिखाई देता है।

इस अवसर पर अनिल अग्रवाल धरशुवाले, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल एवं राजेश सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। सामूहिक सहयोग और समर्पण के साथ आयोजित इस कार्यक्रम ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि सेवा ही सच्चा धर्म है और मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है।

नए कलाकारों को मिला बड़ा मंच



मुंबई, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नए कलाकारों को अभिनय के क्षेत्र में अवसर और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच देने के उद्देश्य से सिनेमैजिक एंटरटेनमेंट की आगामी हिंदी वेब सीरीज 'मुखौटा' जल्द ही दर्शकों के सामने आने वाली है। सीरीज का पोस्टर जारी होते ही दर्शकों में इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। सिनेमैजिक एंटरटेनमेंट अब तक कम से कम 10 फिल्मों का निर्माण कर चुका है। इस वेब सीरीज का निर्माण रोहित चौधरी, सना खान और जुनेद सिद्दीकी ने किया है, जबकि इसकी कहानी एवं निर्देशन की जिम्मेदारी संतोष पांचाल ने संभाली है। सीरीज में विवेक ढाणके और निकिता पाटील मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं, मुख्य खलनायक की भूमिका किरण अकेरकर और जैनब खातून ने निभाई है। बचपन के किरदारों में भूमि जाधव (मुख्य किरदार की बहन), अनन्या चोरमळ (मुख्य किरदार का बचपन) और समीक्षा वाघ (खलनायक का बचपन) शामिल हैं।

मुख्य किरदार के दोस्तों की भूमिका कांचन गावस्कर, प्राची कदम और रोहिणी सुतार ने निभाई है। अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं में महिला पुलिस निरीक्षक वैशाली कदम, पुलिस कांस्टेबल आदेश रुम्बडे, वर्तमान देखभालकर्ता पूनम देवरे, अतीत की देखभालकर्ता अश्विनी राऊत तथा मुखौटे बनाने वाले डॉक्टर के किरदार में कलावती सुर्वे नजर आएंगी।

तेनाली की महिला को मिलेंगे 15 करोड़ के क्रिप्टो निवेश

सीआईडी ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी का किया पर्दाफाश, अदालत ने पीड़िता को डिजिटल संपत्ति लौटाने का दिया आदेश; आठ आरोपी गिरफ्तार

अमरावती, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने लगभग 15 करोड़ रुपये (15 लाख अमेरिकी डॉलर) की बड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिप्टोकरेंसी निवेश धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया है। जांच एजेंसी ने विभिन्न क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट और अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्थानांतरित की गई डिजिटल संपत्तियों का पता लगाया है। इस मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत विशेष अदालत ने बरामद और चिन्हित की गई क्रिप्टोकरेंसी संपत्तियां पीड़िता को वापस लौटाने का आदेश दिया है। पीड़िता तेनाली की रहने वाली महिला है।



अधिक मुनाफे का लालच देकर की ठगी

मंगलागिरी स्थित सीआईडी पुलिस थाने में दर्ज इस मामले में एक संगठित अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह शामिल था। गिरोह ने पीड़िता को क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने पर असामान्य रूप से अधिक मुनाफा देने का लालच दिया था।

सीआईडी की जांच के अनुसार, महिला ने शुरुआत में अपने बैंक खातों से 13 नॉन-कस्टोडियल क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में धनराशि स्थानांतरित की थी। इनमें रॉबिनहुड पर एक और ऑनचेन पर 12 वॉलेट शामिल थे।

इसके बाद आरोपियों के निर्देश पर उसने हनीकॉम्बएप-ीआई डॉट ओआरजी और अलीबारबिट डॉट बिट नामक फर्जी निवेश प्लेटफॉर्म पर क्रिप्टोकरेंसी भेज दी। महिला को विश्वास था कि ये निवेश योजनाएं वास्तविक हैं।

जांचकर्ताओं ने बिटकॉइन, सोलाना और डॉजकॉइन से जुड़े 27 क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन का पता लगाया, जिनकी कुल कीमत लगभग 15 लाख अमेरिकी डॉलर थी।

ठगी से प्राप्त रकम को छिपाने के लिए कई क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट, जटिल लेनदेन प्रक्रियाओं और म्यूल खातों का इस्तेमाल किया गया। बाद में यह रकम केमैन आइलैंड्स स्थित क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज गेट ग्लोबल कॉरपोरेशन तक पहुंचाई गई।

ब्लॉकचेन विश्लेषण, तकनीकी जांच और अंतरराष्ट्रीय समन्वय के माध्यम से सीआईडी ने 15 बिटकॉइन लेनदेन का पता लगाया। ये लेनदेन गेट डॉट आईओ एक्सचेंज के चार खातों से जुड़े पाए गए, जिनका संबंध कथित तौर पर संगठित साइबर अपराध गिरोह से था। न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से इन खातों में मौजूद डिजिटल संपत्तियों को फ्रीज करा दिया गया।

आठ आरोपी गिरफ्तार

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की तकनीकी सहायता से की गई जांच में आठ आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

इनमें दो आरोपी हैदराबाद, दो महाराष्ट्र, एक मलेशिया, दो चीन और एक पुर्तगाल से हैं। सीआईडी ने संगठित अपराध गिरोह के खिलाफ सक्षम न्यायालय में आरोपपत्र भी दाखिल कर दिया है।

अदालत ने क्रिप्टोकरेंसी लौटाने का दिया आदेश

इस मामले में बड़ी सफलता तब मिली, जब गुंटूर स्थित सीआईडी मामलों की छठी अतिरिक्त कनिष्ठ सिविल न्यायाधीश-सह-विशेष अदालत ने 30 अक्टूबर को आपराधिक विविध याचिका संख्या 298/2026 में संपत्ति वापसी का आदेश जारी किया।

अदालत ने गेट ग्लोबल कॉरपोरेशन को निर्देश दिया कि चार चिन्हित खातों में रखी क्रिप्टोकरेंसी संपत्तियों को प्रचलित बाजार मूल्य के अनुसार यूएसडीटी (टेथर) में परिवर्तित किया जाए और परिवर्तित की गई पूरी राशि पीड़िता के निर्धारित क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में स्थानांतरित की जाए। यह आदेश अंतरराष्ट्रीय निवेश धोखाधड़ी में गंवाई गई रकम की वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सीआईडी ने निवेशकों को किया सतर्क

सीआईडी ने लोगों से क्रिप्टोकरेंसी और ऑनलाइन निवेश योजनाओं में निवेश करते समय सावधानी बरतने की अपील की है। विभाग ने गारंटीकृत अथवा असामान्य रूप से अधिक मुनाफे का वादा करने वाले प्लेटफॉर्म और व्यक्तियों से सावधान रहने की सलाह दी है।

निवेशकों से कहा गया है कि किसी भी प्लेटफॉर्म पर रकम भेजने से पहले उसकी वास्तविकता और नियामकीय स्थिति की पुष्टि अवश्य करें। अज्ञात क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में रकम भेजने तथा सत्यापन, कमीशन, कर या निकासी शुल्क के नाम पर अतिरिक्त भुगतान करने से भी बचने की सलाह दी गई है।

ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के पीड़ितों को तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने अथवा ्.लूलशॲलॲळाश.सेंी.ळप पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई है।

यह जांच सीआईडी के पुलिस महानिदेशक रवि शंकर अय्यन्नार, आईपीएस के मार्गदर्शन में की गई। क्रिप्टोकरेंसी संपत्तियों का पता लगाने, उन्हें सुरक्षित करने और पीड़िता को वापस दिलाने के प्रयासों के लिए सीआईडी ने संबंधित जांच दल को 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अग्निवीरों...

अंतिम फैसला उनकी इच्छा और सशस्त्र बलों के निर्धारित चयन मानदंडों के आधार पर होगा। यानी सेवा अवधि बढ़ाई गई है, लेकिन स्थायी नियुक्ति की गारंटी नहीं दी गई है। मूल भर्ती व्यवस्था में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। मुख्य बदलाव उन 75 प्रतिशत अग्निवीरों के सेवा से बाहर होने की प्रक्रिया में किया गया है, जिन्हें पहले चार साल बाद ही वापस लौटना पड़ता था।

क्यों शुरू की गई थी अग्निपथ योजना?

अग्निपथ योजना की घोषणा 14 जून, 2022 को की गई थी। इसके तहत थल सेना, नौसेना और वायु सेना में अधिकारी रैंक से नीचे के पदों पर भर्ती शुरू की गई थी। शुरुआत में 17.5 से 21 वर्ष की आयु के पुरुष और महिलाएं आवेदन कर सकते थे। वर्ष में दो बार भर्ती की व्यवस्था बनाई गई थी। योजना लागू करने के समय सरकार का उद्देश्य सेना की औसत आयु कम करना, अधिक युवा सैनिकों को शामिल करना और वेतन तथा पेंशन पर बढ़ते खर्च को नियंत्रित करना था।

रक्षा मंत्रालय का अनुमान था कि इस व्यवस्था से सशस्त्र बलों की औसत आयु 32 वर्ष से घटकर 24 से 26 वर्ष तक आ सकती है। सरकार ने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल, रूस और चीन की सेनाओं का उदाहरण भी दिया था, जहां सैनिकों की औसत आयु करीब 26 से 27 वर्ष बताई गई थी।

रक्षा बजट और पेंशन का बोझ भी थी वजह

अग्निपथ योजना लागू करने के पीछे रक्षा खर्च पर बढ़ता दबाव भी एक प्रमुख कारण था। पिछले एक दशक में रक्षा कर्मियों के वेतन, भत्तों और पेंशन पर खर्च लगातार बढ़ा था। रक्षा मंत्रालय के कुल खर्च में इन मदों की हिस्सेदारी करीब 55 प्रतिशत तक पहुंच गई थी।वहीं, सैन्य उपकरणों की खरीद और रखरखाव के लिए उपलब्ध बजट में 4 प्रतिशत की कमी आई थी। अनुसंधान एवं विकास पर भी कुल खर्च का करीब 3 से 4 प्रतिशत ही लगाया जा रहा था।

नेतन्याहू ...

उन्होंने धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि चुनाव परिणामों पर किसी भी बाहरी और नुकसानदेह हस्तक्षेप के संदेह की शिन बेट और पुलिस द्वारा पूरी तरह जांच की जानी चाहिए।

हर्जोग ने इजरायल के अरब समुदाय को बदनाम करने के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने हाल में की गई नस्लवादी टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि सभी को एक ही नजरिए से नहीं देखना चाहिए। इजरायल के अरब समाज के प्रति उनके मन में बहुत सम्मान है। देश के हर क्षेत्र में उनके योगदान और समाज में घुलने-मिलने की उनकी इच्छा की वह सराहना करते हैं। हर्जोग ने कहा, चुनाव खत्म हो चुके हैं। अब सच्चाई का सामना करने का समय आ गया है। बता दें कि नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने केवल अरब समुदायों के मतदान केंद्रों पर करीब 1,200 शिकायतें दर्ज कराई थीं। इन शिकायतों की जांच की जा रही है।

सरकार बनाने के लिए राष्ट्रपति करेंगे परामर्श

राष्ट्रपति नेसेट के लिए चुने गए राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करेंगे। इसके आधार पर वह तय करेंगे कि सरकार बनाने की जिम्मेदारी किसे सौंपी जाए। राष्ट्रपति द्वारा चुने गए उम्मीदवार को गठबंधन सरकार बनाने के लिए 28 दिन का समय मिलेगा। यदि राष्ट्रपति को लगता है कि अतिरिक्त समय की जरूरत है, तो वह 14 दिन का और समय दे सकते हैं। बता दें कि 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी पक्ष को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और उनके गठबंधन को प्रतिद्वंद्वियों पर थोड़ी बढ़त मिली, लेकिन वह संसद में बहुमत हासिल करने से चूक गया।

चुनाव में न तो नेतन्याहू के गठबंधन को और न ही उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी, पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइसेनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी चेंज ब्लॉक को बहुमत मिला। ऐसे में सरकार बनाने के लिए अरब दलों सहित छोटी पार्टियों के साथ बातचीत की संभावना बढ़ गई है।

विपक्षी गठबंधन ने इजरायल के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का संकल्प लिया है। अरब दलों ने नेसेट यानी इजरायली संसद की कुल 120 में से 19 सीटें जीती हैं। इससे विभाजित संसद में उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है और वे सरकार गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि नेतन्याहू और आइसेनकोट में से कोई भी सरकार बनाने में सफल नहीं होता है, तो अगले साल की शुरुआत में इजरायल में एक और चुनाव हो सकता है।

मान खुद ...

उन्होंने सवाल किया कि अडाणी के बंदरगाह पर जो मादक पदार्थ पकड़े गए थे, उनका क्या हुआ? राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस को देशद्रोही बताते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को किसी भी मंच पर बहस की चुनौती देते हुए कहा, मैं पांच मिनट में साबित कर दूंगा कि मोदी राष्ट्रविरोधी हैं और डोनाल्ड ट्रंप के नियंत्रण में हैं।

राहुल गांधी ने बताया कि वह दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह से मिले थे। उन्होंने कहा, मैंने अपने भाषण के लिए कुछ योजना बनाई थी, लेकिन फिर सिद्धू मूसेवाला के पिता आए और मुझसे मिले। इसके बाद मैंने अपने भाषण की योजना बदल दी।सिद्धू मूसेवाला को याद करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कुछ साल पहले उनकी मुलाकात मूसेवाला से हुई थी। उस समय वह उन्हें ज्यादा नहीं जानते थे, लेकिन वह बेहद प्रतिभाशाली व्यक्ति थे। उन्होंने कहा, जब हम मिले थे, तभी मेरे मन में आया था कि वह एक खतरनाक जगह से आ रहे हैं।राहुल गांधी ने बताया कि बाद में उन्होंने मूसेवाला का गीत '295' सुना। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि किस तरह उनकी सुरक्षा वापस ली गई और दिनदहाड़े उनकी हत्या कर दी गई।राहुल गांधी ने पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बलकौर सिंह के बेटे के साथ जो हुआ, वह अब पंजाब में एक चलन बन गया है। आज हर होनहार और प्रतिभाशाली नौजवान को गोलियों से निशाना बनाया जा रहा है।

ट्रंप...

मध्यावधि चुनाव में हार के बाद ट्रंप के कामकाज पर निगरानी बढ़ जाएगी। अमेरिकी सरकारी कामकाज से जुड़ी संसदीय समितियों के अध्यक्ष अब डेमोक्रेट्स बन सकते हैं। ऐसी स्थिति में वे ट्रंप के करीबी सरकारी अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू कर सकते हैं।

अमेरिका के बजट और करों से जुड़े प्रस्तावों को पारित कराने में भी रिपब्लिकन पार्टी को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। डेमोक्रेट्स की बढ़ी हुई संख्या इन प्रस्तावों में रुकावट पैदा कर सकती है, जिससे सरकारी कामकाज प्रभावित होने की आशंका है।

अमेरिका में सीनेट ही न्यायाधीशों, मंत्रिमंडल के सदस्यों और अन्य महत्वपूर्ण अधिकारियों की नियुक्तियों को मंजूरी देती है। सीनेट में भी डेमोक्रेट्स को बहुमत मिलने के कारण ट्रंप की पसंद के लोगों की नियुक्तियां अटक सकती हैं।

राष्ट्रपति के पास वीटो का अधिकार

ट्रंप ने दावा किया है कि यदि वह स्वयं चुनाव मैदान में उतरे होते तो जीत जाते। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने अगले दो साल प्रत्येक फैसले पर वीटो लगाते हुए नहीं बिताना चाहते। दरअसल, वह अमेरिकी राष्ट्रपति को संविधान के तहत मिले विशेष अधिकार की बात कर रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति को संविधान के अनुच्छेद 1 और 2 के तहत विधेयकों पर वीटो लगाने की शक्ति प्राप्त है। इसके जरिए राष्ट्रपति संसद से पारित किसी विधेयक को कानून बनने से रोक सकते हैं। इसे राष्ट्रपति का वीटो अधिकार कहा जाता है। हालांकि, वीटो राष्ट्रपति की बड़ी शक्ति जरूर है, लेकिन यह अंतिम शक्ति नहीं है। संसद के पास भी इसका विकल्प मौजूद है। यदि राष्ट्रपति किसी विधेयक पर वीटो लगाते हैं, तो संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से उस वीटो को निष्प्रभावी किया जा सकता है। इसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के बिना भी विधेयक कानून बन सकता है।

राजनीतिक भविष्य पर भी संकट

मध्यावधि चुनाव में ट्रंप की हार का असर उनके राजनीतिक भविष्य और पारिवारिक कारोबार पर भी पड़ सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अब ट्रंप अपना शेष कार्यकाल ऐसे राष्ट्रपति के रूप में बिताएंगे, जिनके पास अकेले बड़े फैसले लेने की पर्याप्त राजनीतिक ताकत नहीं होगी। विश्लेषक उन्हें 'लंगड़ा राष्ट्रपति' यानी कमजोर राजनीतिक अधिकारों वाले राष्ट्रपति के रूप में देख रहे हैं। उनका मानना है कि ट्रंप के लिए शेष दो वर्ष का कार्यकाल पूरा करना चुनौतीपूर्ण होगा।

राष्ट्रपति के रूप में यह ट्रंप का दूसरा कार्यकाल है और अमेरिकी कानून के अनुसार वह तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते। ऐसी स्थिति में अपनी पार्टी और सांसदों पर उनकी पकड़ कमजोर हो सकती है। रिप-ब्लिकन पार्टी के नेता अगले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के चयन में ट्रंप की सलाह को नजरअंदाज कर सकते हैं। कई मौकों पर पार्टी के नेता उनके फैसलों से दूरी भी बना सकते हैं।

ऐसी स्थिति में ट्रंप का राजनीतिक भविष्य शेष दो साल का कार्यकाल पूरा करने तक सीमित हो सकता है। पार्टी में अलग-थलग पड़ने पर उनके खिलाफ तीसरी बार महाभियोग लाए जाने का खतरा भी पैदा हो सकता है। डेमोक्रेट्स प्रतिनिधि सभा में बहुमत के आधार पर किसी न किसी मुद्दे पर उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। हालांकि, सीनेट में दोषी ठहराने की प्रक्रिया अलग है और इसमें परिणाम कुछ भी हो सकता है। मध्यावधि चुनाव के बाद बने हालात को देखते हुए रिपब्लिकन पार्टी के कई सांसद भी ट्रंप के खिलाफ जा सकते हैं। चूंकि ट्रंप तीसरी बार राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार नहीं बन सकते, इसलिए भविष्य में पार्टी का उम्मीदवार उनसे दूरी बनाकर रख सकता है।

एपस्टीन फाइल्स से बढ़ सकती हैं मुश्किलें

मध्यावधि चुनाव के बाद डेमोक्रेट्स ट्रंप को एपस्टीन फाइल्स के मुद्दे पर भी घेर सकते हैं। न्याय विभाग की ओर से एपस्टीन से संबंधित दस्तावेज धीरे-धीरे जारी किए जा रहे हैं और इसमें देरी हो रही है। संसद महान्यायवादी से इस देरी और दस्तावेजों में की गई काट-छांट को लेकर सवाल पूछ सकती है या जांच शुरू कर सकती है।

ट्रंप एपस्टीन के साथ किसी भी तरह के संबंधों से इनकार करते रहे हैं, लेकिन यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन और ट्रंप की कई तस्वीरें सार्वजनिक हो चुकी हैं। इस तरह मध्यावधि चुनाव में मिली हार केवल ट्रंप के राजनीतिक भविष्य ही नहीं, बल्कि उनके परिवार के लिए भी परेशानी खड़ी कर सकती है।वर्ष 2025 में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कारोबार से करीब 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक कमाए हैं। डेमोक्रेट्स वित्तीय खुलासा दस्तावेजों के आधार पर उनके कारोबार की जांच करा सकते हैं। ट्रंप और उनके परिवार से जुड़े क्रिप्टोकरेंसी सौदे भी जांच के दायरे में आ सकते हैं।ट्रंप और उनके परिवार ने क्रिप्टो उद्यम 'वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल' से 4,730 करोड़ रुपये और 'ट्रंप मीम कॉइन' से 5,676 करोड़ रुपये कमाए हैं।इसके अलावा, वर्ष 2025 में ट्रंप के नाम पर 20 हजार से अधिक शेयरों के सौदे हुए हैं। डेमोक्रेट्स का आरोप है कि राष्ट्रपति पद पर रहते हुए शेयरों का कारोबार करना गलत है। ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर से जुड़ी व्यापारिक गतिविधियों की भी जांच हो सकती है। आरोप है कि कुशनर को मध्य पूर्व में शांति दूत बनाया गया और इसी दौरान उन्हें मध्य पूर्व से भारी वित्तीय सहायता मिली। इसे पद के दुरुपयोग के रूप में देखा जा रहा है।

भारत पर क्या पड़ेगा असर?

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद एक बड़ा सवाल यह भी है कि इसका भारत पर क्या असर पड़ेगा। इन परिणामों से ट्रंप के एकतरफा और मनमाने फैसलों पर अंकुश लग सकता है। इससे भारत समेत उन देशों को राहत मिल सकती है, जिन्हें ट्रंप ने आयात शुल्क बढ़ाने की धमकी दी थी।अमेरिका भारतीय सामानों के लिए बड़ा बाजार है। इसलिए अमेरिकी आयात शुल्क नीति में कोई भी बदलाव सीधे भारतीय निर्यातकों को प्रभावित करता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता अभी तक लागू नहीं हो पाया है। इसी महीने भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इसे अंतिम चरण में बताया था। हालांकि, उस समय इसे मध्यावधि चुनाव से पहले की राजनीतिक रणनीति के रूप में देखा गया था।

कोटा...

इसके लिए उन्होंने पंचायतों और नगरपालिकाओं में लागू रोटेशनल आरक्षण व्यवस्था का उदाहरण दिया। याचिकाकर्ता का तर्क था कि मौजूदा व्यवस्था के कारण चुनाव लड़ने के विकल्प सीमित हो जाते हैं और संविधान के अनुच्छेद 14, 15 तथा 19 के तहत मिले अधिकार प्रभावित होते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस व्यवस्था का लाभ व्यापक समुदाय के बजाय कुछ राजनीतिक परिवारों को मिल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। हाई कोर्ट ने परिसीमन अधिनियम, 2002 की धारा 9(1)(ग) को वैध माना था। इस प्रावधान के तहत उन क्षेत्रों की पहचान की जाती है, जहां अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की आबादी का अनुपात अपेक्षाकृत अधिक होता है और जिन्हें आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र बनाया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान या मौजूदा कानून में ऐसी रोटेशन व्यवस्था का प्रावधान नहीं है। इसलिए अदालत अपनी ओर से कोई नया नियम नहीं जोड़ सकती। पीठ ने स्पष्ट किया कि रोटेशन व्यवस्था लागू करने का फैसला संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।

मतदान और चुनाव लड़ने के अधिकार में अंतर

सुनवाई के दौरान पीठ ने मतदान करने के अधिकार और किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के अधिकार के बीच अंतर भी समझाया। अदालत ने कहा कि सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार उन निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ सकते हैं, जो आरक्षित नहीं हैं।

न्यायमूर्ति बागची ने इस दलील पर भी सवाल उठाया कि अधिक अनुसूचित जाति की आबादी वाले क्षेत्र में बहुसंख्यक समुदाय के उम्मीदवार ही जीतेंगे, इसलिए वहां आरक्षण की आवश्यकता नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मान लेना सही नहीं है कि मतदाता केवल जाति या समुदाय के आधार पर ही मतदान करेंगे। बहुदलीय लोकतंत्र में मतदाताओं से राजनीतिक विचारधारा के आधार पर मतदान करने की उम्मीद की जाती है। किस उम्मीदवार को चुनना है, इसका फैसला मतदाताओं को करना है।

रोटेशन का फैसला संसद के हाथ में

याचिकाकर्ता ने संविधान के अनुच्छेद 243-घ और 243-त का हवाला दिया था। इन अनुच्छेदों के तहत पंचायतों और नगरपालिकाओं में आरक्षण के रोटेशन का प्रावधान है। उन्होंने इसी तरह लोकसभा और विधानसभा की आरक्षित सीटों में भी समय-समय पर बदलाव करने का निर्देश मांगा था।

अब्दुल्ला...

मुबारक गुल ने 27 अक्टूबर को 4 नवंबर तक का समय दिया था। हालांकि, बुधवार को अपने समर्थकों से मुलाकात और बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुबारक गुल ने खुलकर कुछ कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं अपने साथियों की भावनाओं का पूरा सम्मान करता हूं, जो लगभग 75 साल पुरानी हैं। ईश्वर ने चाहा तो सही समय पर चीजें सामने आएंगी। मेरे पास कहने के लिए अब और कोई बयान नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि वह एक संघर्षशील व्यक्ति हैं और उनका संघर्ष जारी रहेगा। दूसरी ओर, पार्टी का संकट उस समय और गहरा गया, जब श्रीनगर से लोकसभा सांसद और प्रभावशाली शिया नेता सैयद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। रुहुल्लाह ने पार्टी नेतृत्व, विशेषकर फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला पर अनुच्छेद 370 की बहाली की लड़ाई छोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने एक नए राजनीतिक दल के गठन के संकेत भी दिए हैं।

सोना....

एक किलो के हिसाब से इसकी कीमत लगभग 1,23,444 रुपये बैठती है। इसी वजह से यह मिठाई आम मिठाइयों से बिल्कुल अलग चर्चा में है। प्रतिष्ठान की संस्थापक चार्टर्ड अकाउंटेंट अंजलि जैन के मुताबिक, एक टुकड़े की कीमत 1,111 रुपये रखने के पीछे इस अंक को शुभ मानने की परंपरा का भी ध्यान रखा गया है। इसे खास तौर पर दीपावली पर महंगे और अनूठे उपहार देने वालों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

बादाम, केसर और खाने योग्य सोने का इस्तेमाल

इस मिठाई की सबसे खास बात इसे बनाने का तरीका है। इसके अंदर बादाम से तैयार किया गया हिस्सा है, जिसमें खाने योग्य सोना यानी स्वर्ण भस्म मिलाई गई है। इसके बाद मिठाई के ऊपर सोने की पतली परत चढ़ाई जाती है और केसर से सजाया जाता है।इस तरह यह केवल सोने के सिक्के जैसी दिखने वाली मिठाई नहीं है, बल्कि इसमें खाने योग्य सोने का भी इस्तेमाल किया गया है। हालांकि, खाने योग्य सोने और सोने जैसी दिखने वाली सजावटी परत में अंतर होता है। इसलिए इतनी महंगी मिठाई खरीदते समय ग्राहकों को यह जरूर देखना चाहिए कि इसमें इस्तेमाल की गई सामग्री खाने के लिए सुरक्षित और निर्धारित मानकों के अनुरूप है या नहीं।अंजलि जैन के मुताबिक, इस मिठाई को तैयार करने का विचार पुराने जमाने की अशर्फियों से आया। पहले के दौर में सोने की अशर्फिया दौलत और खुशहाली की पहचान मानी जाती थीं। त्योहारों और खास अवसरों पर इन्हें उपहार के रूप में देने की परंपरा भी रही है।इसी पुराने अंदाज को मिठाई के रूप में तैयार करने की कोशिश की गई है। कंपनी का उद्देश्य इसे ऐसा उपहार बनाना है, जो देखने में भी अनूठा हो और दीपावली पर समृद्धि तथा शांति का संदेश भी दे।जयपुर के इस प्रतिष्ठान ने केवल त्योहार अशर्फी ही नहीं, बल्कि काजू कतली का एक विशेष संग्रह भी पेश किया है। इसका नाम त्योहार नवरत्न रखा गया है। इसमें काजू कतली की नौ अलग-अलग किस्में हैं, जिन्हें पारंपरिक रत्नों के रंग और स्वाद से जोड़कर तैयार किया गया है।

मसलन, पिस्ता वाली हरी काजू कतली को पन्ने से प्रेरित बताया गया है। केसर के स्वाद वाली पीली काजू कतली को पुखराज से जोड़ा गया है। गुलाब के स्वाद वाली मिठाई मूंगे से प्रेरित है, जबकि स्ट्रॉबेरी वाली लाल काजू कतली को माणिक जैसा रंग दिया गया है।इसके अलावा इसमें पारंपरिक, गुलाब और आम के स्वाद वाली काजू कतली भी शामिल हैं। माचा और दूसरे स्वाद भी इस संग्रह का हिस्सा हैं। यानी जो लोग हर बार एक ही तरह की काजू कतली खाते-खाते ऊब चुके हैं, उनके लिए इस डिब्बे में रंग और स्वाद दोनों की विविधता है।

कृत्रिम रंगों की जगह प्राकृतिक स्वाद का दावा

अंजलि जैन का कहना है कि इन मिठाइयों में कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इन्हें प्राकृतिक रंगों और स्वाद के साथ तैयार किया गया है। अलग-अलग रंग और स्वाद देने के लिए पिस्ता, केसर, गुलाब, स्ट्रॉबेरी और आम जैसी सामग्रियों का उपयोग किया गया है।

इन मिठाइयों की कीमत और सामग्री के अलावा एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि त्योहारों पर लोग अब मिठाइयों के साथ कुछ नया अनुभव भी चाहते हैं। इसी वजह से बाजार में अलग-अलग स्वाद, आकर्षक पैकिंग और विशेष अंदाज वाली मिठाइयों की मांग बढ़ रही है।

मिठाई के डिब्बे में भी दिखेगा रुतबा?

दीपावली पर मिठाई देने की परंपरा पुरानी है। पहले लोग घर में बनी मिठाइयां और लड्डू बांटते थे। इसके बाद बाजार में काजू कतली, चॉकलेट, सूखे मेवे और आकर्षक पैकिंग वाले उपहार डिब्बों का चलन बढ़ा। अब इसी कड़ी में सोने की परत वाली अशर्फी भी शामिल हो गई है। हालांकि, 9 ग्राम के एक टुकड़े की 1,111 रुपये कीमत हर किसी के बजट में नहीं होगी, लेकिन महंगे और अनूठे उपहार पसंद करने वालों के लिए यह एक नया विकल्प जरूर है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 05 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

बोरवेल नियमों में बदलाव की मांग

रिग ओनर्स एसोसिएशन ने सरकार से की अपील, ड्रिलिंग की अनुमत गहराई 120 से बढ़ाकर 250–300 मीटर करने का प्रस्ताव

हैदराबाद, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रिग ओनर्स एसोसिएशन ने तेलंगाना सरकार से जमीनी हकीकत और भूजल की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए बोरवेल ड्रिलिंग से संबंधित नियमों में संशोधन करने की अपील की है। एसोसिएशन ने ड्रिलिंग की अधिकतम अनुमत गहराई मौजूदा 120 मीटर से बढ़ाकर 250 से 300 मीटर करने की मांग करते हुए सरकारी आदेश संख्या 259 (जीओ 259) में जल्द से जल्द आवश्यक बदलाव करने का आग्रह किया है।

एसोसिएशन ने बताया कि राज्य के कई क्षेत्रों में भूजल स्तर लगातार गिर रहा है, जिसके कारण 120 मीटर की मौजूदा सीमा के भीतर पानी मिलना मुश्किल हो गया है। पीने के पानी, कृषि और निर्माण कार्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई स्थानों पर 250 से 300 मीटर तक बोरवेल ड्रिलिंग करना आवश्यक हो गया है।

एसोसिएशन के अनुसार, पानी की कमी के बावजूद ड्रिलिंग को 120 मीटर तक सीमित रखने से बोरवेल असफल हो सकते हैं, जिससे किसानों और मकान मालिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए सरकार को भूजल की वास्तविक स्थिति और योग्य भूवैज्ञानिकों की रिपोर्ट के आधार पर ड्रिलिंग की अनुमति देनी चाहिए।

अतिरिक्त आर्थिक बोझ न डालें

एसोसिएशन ने कहा कि रिग मालिक पहले से ही वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), वाहन कर, सड़क कर, बीमा, पंजीकरण शुल्क और आयकर के माध्यम से सरकारी राजस्व में योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा रिग, स्पेयर पार्ट्स,



डीजल, पाइप और मोटर की खरीद पर भी विभिन्न कर चुकाते हैं। प्रतिनिधियों ने सरकार से आग्रह किया कि इस क्षेत्र से जुड़े रोजगार और आजीविका को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त शुल्क, जुर्माना या प्रतिबंध लगाने के बजाय रिग मालिकों को सहयोग दिया जाए।

निर्माण क्षेत्र में अहम भूमिका

एसोसिएशन ने बताया कि इमारतों, अपार्टमेंट, विला, लेआउट, सड़कों, पुलों, अस्पतालों, स्कूलों और सरकारी परियोजनाओं के निर्माण में बोरवेल के पानी की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। बोरवेल ड्रिलिंग कार्यों में किसी प्रकार की रुकावट आने से निर्माण क्षेत्र प्रभावित हो सकता है तथा इस व्यवसाय पर निर्भर हजारों मजदूरों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है।

एसोसिएशन ने सरकार से अनुरोध किया कि बोरवेल ड्रिलिंग से संबंधित नए नियम या सरकारी आदेश जारी करने से पहले एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से परामर्श किया जाए। उन्होंने बताया कि उनके सदस्य पिछले तीन से चार दशकों से इस क्षेत्र में कार्यरत हैं और उन्हें जमीनी परिस्थितियों की व्यावहारिक जानकारी है।इसके लिए एसोसिएशन ने सरकारी अधिकारियों और संगठन के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक संयुक्त समिति गठित करने का प्रस्ताव भी रखा, ताकि विभिन्न समस्याओं पर चर्चा कर उचित निर्णय लिए जा सकें। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि वह भूजल संरक्षण के खिलाफ नहीं है, बल्कि सरकार के साथ मिलकर इस दिशा में कार्य करने को तैयार है। संगठन ने बोरवेल का रिकॉर्ड रखने, भूवैज्ञानिकों की सलाह का पालन करने, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण गड्ढों (रिचार्ज पिट) को बढ़ावा देने तथा जल संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने जैसे उपायों में सहयोग देने की इच्छा जताई है।

एसोसिएशन का मानना है कि सरकार और रिग मालिकों के बीच आपसी सहयोग से भूजल प्रबंधन को बेहतर बनाया जा सकता है और राज्य के विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सख्त कार्रवाई और दंडात्मक उपायों के बजाय बातचीत एवं सहयोग के माध्यम से समस्याओं का अधिक प्रभावी समाधान निकाला जा सकता है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष मुस्कु अंजीरेड्डी एवं टी. वेंकटेश तथा महासचिव जी. नरसीरेड्डी एवं ओरुगंती लक्ष्मीनारायण ने तेलंगाना सरकार से अपील की कि बोरवेल ड्रिलिंग की अनुमत गहराई बढ़ाने, अतिरिक्त शुल्क एवं जुर्माने से राहत देने और रिग मालिकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकारी आदेश संख्या 259 में जल्द से जल्द आवश्यक संशोधन किए जाएं।



लोकतंत्र बचाओ यात्रा में भाजपा नेताओं की भागीदारी





हैदराबाद, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में तेलंगाना भाजपा द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' महापदयात्रा में सांसद ईटेला राजेंद्र, काव्या रेड्डी सहित भाजपा के विभिन्न पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा व्यापारिक प्रकोष्ठ के संयोजक वी. शारदा, सह-संयोजक सतीश कुमार जाजू, अविनाश देवड़ा, उप-संयोजक भरत चांडा तथा राज्य कार्यकारिणी सदस्य राकेश रोशन अग्रवाल, नीरज केडिया, श्रेष्ठ सुराणा और दीपक अग्रवाल उपस्थित रहे। यात्रा में जिला संयोजक प्रदीप अग्रवाल, शिवानंद अग्रवाल, अर्चना महेश्वरी झंवर, ललित अग्रवाल, मनोज शर्मा और राजेशकुमार करवा तथा सह-संयोजक संतोष अग्रवाल, प्रतीप पटेल, सत्यनारायण मुंदड़ा, सीमा अग्रवाल, पीयूष जैन, सरिता जैन, प्रदीप चांडक, मुकेश अग्रवाल, सिद्धार्थ गिलडा, पन्नालाल कचवाहा, पंकज संघी, दीपक गुप्ता, सौधर्म भंडारी, नरेंद्र बंसल, निमेष जैन, गोविंद जाजू और विजय तांडले ने भी भाग लिया।इसके अलावा जिला कार्यकारिणी सदस्य अमित अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, राजेश केडिया, रविकुमार आसट, विजयकुमार कुंछल, स्वरूप व्यास और सुखराम पंवार सहित लव फॉर काऊ फाउंडेशन के जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार एवं अन्य गणमान्य लोग भी महापदयात्रा में शामिल हुए।

सेवा की मिठास से रोशन हुई दीपावली

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद ने दृष्टिबाधित बच्चों को बांटे 460 पैकेट लड्डू एवं नमकीन

हैदराबाद, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दीपावली के पावन अवसर पर महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद की ओर से देवनार फाउंडेशन ब्लाइंड स्कूल में खुशियां बांटने और सेवा भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी बच्चों एवं सदस्यों को 460 पैकेट बेसन के लड्डू एवं नमकीन वितरित किए गए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दीपावली के शुभ पर्व पर सभी के जीवन में मिठास, खुशियां और मुस्कान लाना था।



इस सेवा कार्य को महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के चेयरमैन वीर विनोद संचेती के विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस नेक पहल में सहयोग देने वाले दानदाताओं में श्री गौतम चंद, श्री मयूर कुमार, श्री महेंद्र जी एवं श्री दिनेश गड़िया शामिल रहे। साथ ही उनके परिवार के सभी सदस्यों के प्रति भी संस्था ने हार्दिक आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर के. जैन स्टोर्स, मार्केट स्ट्रीट, सिकंदराबाद का भी विशेष सहयोग रहा।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद ने इस पुनीत सेवा कार्य में सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं, सहयोगकर्ताओं एवं उनके परिवारों का हृदय से धन्यवाद किया।

कार्यक्रम में वीर विनोद संचेती, वीर अनिल बोहरा, वीरा कल्पना बार्लोटा एवं वीरा रसीला कोटेचा उपस्थित रहे। सभी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने सेवा कार्यक्रम को और भी विशेष एवं यादगार बनाया।

राधे-राधे ग्रुप ने किया नियमित अन्नदान, सेवा और समर्पण की भावना को मिल रही नई दिशा



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में केबीआर पार्क स्थित इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। ग्रुप द्वारा निरंतर चलाए जा रहे इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज में सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। राधे-राधे ग्रुप का मानना है कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा और ईश्वर की आराधना है। अन्नदान ऐसा पुनीत कार्य है, जिससे जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान आती है और सेवा करने वालों को आत्मिक संतोष की अनुभूति होती है। ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाना तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को निस्वार्थ सेवा कार्यों से जोड़ना है।



छठ महापर्व के सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी एवं नगर निगम उप्पल मंडल आयुक्त श्रीमती राधिका गुप्ता से मुलाकात की।

दमरे मुख्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न



हैदराबाद, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में 4 नवंबर 2026 को मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री राजेश पी. खाडे की अध्यक्षता में मुख्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यालय के सभी विभागों तथा उनके अंतर्गत आने वाली इकाइयों में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्यों की देखरेख करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री राजेश पी. खाडे ने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति कभी भी कार्यालय का निरीक्षण कर सकती है। इसलिए सभी राजभाषा संपर्क अधिकारियों को अपने-अपने विभागों में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय रेल स्तर पर दक्षिण मध्य रेलवे के राजभाषा विभाग की छवि अच्छी है और इसे बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

बैठक के प्रारंभ में उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री एम.के. नागराजु ने अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि मुख्यालय के विभिन्न विभागों तथा उनके अंतर्गत आने वाली इकाइयों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करने के उद्देश्य से नियमित रूप से इस बैठक का आयोजन किया जाता है। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन में सभी सदस्यों से सक्रिय सहयोग देने की अपेक्षा की। साथ ही राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान हिंदी में सराहनीय कार्य करने वाले तथा राजभाषा कार्यान्वयन में सक्रिय सहयोग देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

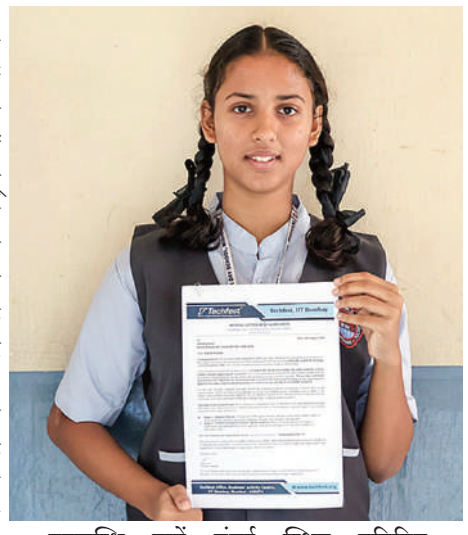
नवाचार की उड़ान से आईआईटी बॉम्बे तक! ब्रह्म प्रकाश डी ए वी स्कूल की विदिशा ने बढ़ाया विद्यालय का गौरव

22 लाख प्रतिभागियों में टॉप 0.14% में बनाई जगह, आईआईटी बॉम्बे ग्रैंड फिनाले की ओर बढ़ाया कदम

हैदराबाद, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

प्रतिभा, रचनात्मक सोच और दृढ़ संकल्प के बल पर सफलता की नई ऊँचाइयाँ छूते हुए ब्रह्म प्रकाश डी ए वी स्कूल, मिधानि टाउनशिप की कक्षा आठवीं की छात्रा विदिशा कुमारी ने प्रतिष्ठित एलक्यू आइडियाथॉन 2026 में शानदार उपलब्धि हासिल कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। विदिशा ने प्रतियोगिता के प्रथम चरण में सफलता प्राप्त करते हुए देश-विदेश के लाखों प्रतिभागियों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में 12 से अधिक देशों के 3,500 से अधिक विद्यालयों के लगभग 22 लाख विद्यार्थियों ने भाग लिया। इतनी बड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच विदिशा ने शीर्ष 0.14 प्रतिशत प्रतिभागियों में स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा, नवाचारी सोच, रचनात्मक क्षमता और कठिन परिश्रम का परिचय दिया है। उनकी यह



उपलब्धि उन्हें मुंबई स्थित प्रतिष्ठित आईआईटी बॉम्बे में आयोजित होने वाले ग्रैंड फिनाले के और करीब ले आई है।

विदिशा की यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि विद्यालय में विकसित हो रहे नवाचार, जिज्ञासा, तार्किक चिंतन और समस्या-समाधान आधारित शिक्षण वातावरण का भी प्रमाण है। इतनी कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य श्री वी. एस. प्रशांत ने विदिशा को हार्दिक बधाई दी तथा आगामी ग्रैंड फिनाले के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास के बल पर सफलता की नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगी।

इस अवसर पर विद्यालय की अध्यक्ष श्रीमती के. मधुबाला, डी ए वी स्कूल के ए आर ओ श्री वी. एन. एन. के. शेषाद्रि, प्रधानाचार्य श्री वी. एस. प्रशांत, एल एम सी के सदस्य, शिक्षकगण एवं अभिभावक सभी ने छात्रा की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसे बधाई दी।

तेलंगाना को देश का सबसे विकसित राज्य बनाने का लक्ष्य

सदर सम्मेलनम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने यादव समाज से मांगा सहयोग, आयोजन के लिए सरकार ने दिए 5 करोड़ रुपये



हैदराबाद, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना को देश का सबसे तेजी से विकसित होने वाला राज्य बनाने के लिए रचनात्मक और ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि नवगठित तेलंगाना को देश का सर्वाधिक विकसित राज्य बनाने का सरकार का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री बुधवार को हैदराबाद में आयोजित सदर सम्मेलनम समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकार की विकास योजनाओं को पूरा करने के लिए यादव समाज से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना, मेट्रो रेल के दूसरे चरण और भारत फ्यूचर सिटी के निर्माण में यादव समाज का सहयोग महत्वपूर्ण है।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार मूसी रिवरफ्रंट के विकास, मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार और भारत फ्यूचर सिटी के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही है। तेलंगाना को देश का अत्यधिक विकसित राज्य बनाने के इस प्रयास में सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने सदर सम्मेलनम के अवसर पर पूरे यादव समाज को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार समाज को उचित प्रतिनिधित्व और सम्मान दे रही है। उन्होंने बताया कि अनिल कुमार यादव को राज्यसभा सांसद बनाया गया है, जबकि नवीन यादव को कांग्रेस की ओर से विधायक बनाया गया है। इसी प्रकार ईश्वरम्मा यादव को यादगिरिगुट्टा मंदिर बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी यादव समाज को प्रतिनिधित्व में उसका उचित हिस्सा दिया जाएगा। यादव समाज के लोगों के आत्मसम्मान से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यादगिरिगुट्टा स्थित गोशाला में गायों की सुरक्षा और देखभाल के लिए भी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने हैदराबाद शहर के विकास में यादव समाज के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि हैदराबाद का प्रसिद्ध गोलकोंडा किला अतीत में लोकप्रिय रूप से 'गोल्लामकोंडा' के नाम से भी जाना जाता था।

रेवंत रेड्डी ने बताया कि सदर सम्मेलनम के आयोजन के लिए सरकार ने 5 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। यादव समाज के सम्मान और योगदान को मान्यता देते हुए सदर सम्मेलनम को राज्य उत्सव का दर्जा भी दिया गया है।

उन्होंने कहा कि सदर सम्मेलनम केवल यादव समाज का आयोजन नहीं, बल्कि तेलंगाना राज्य के सभी लोगों के आत्मसम्मान का उत्सव है। यादव समाज के लोगों ने देश के विभिन्न हिस्सों से हैदराबाद आने वाले लोगों का स्वागत किया और उन्हें अपनाया। उनकी इसी भावना को सम्मान देने के उद्देश्य से सरकार ने इस आयोजन को राज्य उत्सव घोषित किया है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तेलंगाना में जातिगत जनगणना कराई गई, जो पूरे देश के लिए एक आदर्श उदाहरण बनी है।

अलमासगुड़ा में तनाव, दो आरोपी गिरफ्तार

धर्मांतरण के आरोप में दो ईसाई महिलाओं से मारपीट का मामला, एसडीपीआई ने की सख्त कार्रवाई की मांग



हैदराबाद, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के मीरपेट पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत अलमासगुड़ा में दो युवा ईसाई महिलाओं के साथ कथित तौर पर मारपीट और अभद्र व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है। महिलाओं पर आरोप लगाया गया कि वे बच्चों को चॉकलेट देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रही थीं।

बताया जाता है कि अक्टूबर माह में डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा के निकट यह घटना हुई थी। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मामला सार्वजनिक चर्चा में आया। वीडियो में कुछ स्थानीय पुरुष दोनों महिलाओं को घेरकर बार-बार थप्पड़ मारते दिखाई दे रहे हैं। वे महिलाओं पर बच्चों को चॉकलेट का लालच देकर धर्मांतरण कराने का आरोप लगा रहे हैं। इस दौरान एक व्यक्ति महिलाओं से धार्मिक सामग्री के बारे में सवाल करता है, अभद्र भाषा का इस्तेमाल करता है और उनके बैग की तलाशी लेने का प्रयास करता दिखाई देता है।

वीडियो में दोनों महिलाएं लोगों से उन्हें जाने देने की गुहार लगाती नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि वे अपने रिश्तेदार की मौसी से मिलने इलाके में आई थीं। महिलाओं ने धर्मांतरण के आरोपों से इनकार किया।

वीडियो वायरल होने के बाद मीरपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस धर्मांतरण के आरोपों सहित पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

इस बीच इलाके में तनाव बढ़ गया और दो समुदायों के लोग एक-दूसरे के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मीरपेट पुलिस थाने पहुंच गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कथित तौर पर हल्का लाठीचार्ज किया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया गया और स्थिति नियंत्रण में होने की जानकारी दी गई।

एसडीपीआई ने जताया विरोध

इस घटना पर सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) की तेलंगाना इकाई ने कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने की मांग की।

संगठन ने अपने बयान में कहा कि धर्मांतरण के आरोपों को लेकर अलमासगुड़ा में दो ईसाई महिलाओं के साथ कथित शारीरिक मारपीट, धमकी और अभद्र व्यवहार की घटना अत्यंत निंदनीय है। कानून को अपने हाथ में लेना, महिलाओं पर हमला करना और सार्वजनिक रूप से उन्हें अपमानित करना अस्वीकार्य है तथा देश के संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध है।

एसडीपीआई ने तेलंगाना पुलिस से घटना में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई करने, निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने तथा बिना देरी प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। साथ ही पीड़ित महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और न्याय सुनिश्चित करने की अपील की।

इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई लोगों ने धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और धर्मांतरण के आरोपों का सामना कर रही महिलाओं के साथ किए जाने वाले व्यवहार पर चिंता जताई।

एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ने एक्स पर लिखा कि धर्म के प्रचार का अधिकार भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार है और किसी भी महिला के साथ हिंसा के लिए समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उसने पुलिस और प्रशासन से आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की।

एक अन्य उपयोगकर्ता ने भारत में ईसाई समुदाय के खिलाफ कथित हमलों, चर्चों में तोड़फोड़, उत्पीड़न और धार्मिक प्रार्थनाओं में व्यवधान की घटनाओं पर चिंता जताते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने की मांग की।

फर्जी अमेरिकी अधिकारी बनकर 261 करोड़ की ठगी

हैदराबाद ईडी ने चार और आरोपियों को किया गिरफ्तार, अब तक सात गिरफ्त में; बुजुर्ग अमेरिकी नागरिकों को बनाते थे निशाना

हैदराबाद, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अमेरिकी संघीय अधिकारियों का रूप धारण कर बुजुर्ग नागरिकों को गिरफ्तारी की धमकी देना और उनसे सोने की छड़ें तथा नकदी वसूलना। इसी तरीके से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर गिरोह ने कथित तौर पर अमेरिकी नागरिकों से लगभग 261 करोड़ रुपये की ठगी की। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने धनशोधन जांच के तहत चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों के साथ मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या सात हो गई है।

चार नए आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हर्षिल नयनभाई रावल, जसवंत सिंह, चेतन मुंजाल और प्रणव पिथाड़िया के रूप में हुई है। इन्हें 3 नवंबर को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत गिरफ्तार किया गया। चारों को हैदराबाद के नामपल्ली स्थित विशेष पीएमएलए न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ईडी की जांच के अनुसार, यह गिरोह भारत में संगठित फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर विशेष रूप से अमेरिका के बुजुर्ग नागरिकों को निशाना बनाता था। गिरोह के सदस्य अमेरिकी औषधि प्रवर्तन प्रशासन (डीईए), न्याय विभाग (डीओजे), संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) और अमेरिकी वित्त विभाग के अधिकारियों का रूप धारण करते थे।

शुरुआत में पीड़ितों को फर्जी खरीदारी अलर्ट, रिफंड संबंधी सूचनाओं अथवा उनके कंप्यूटर में वायरस होने की चेतावनी देकर संपर्क किया जाता था। इसके बाद उन्हें ऐसे हेल्पलाइन नंबरों पर फोन करने के लिए कहा जाता था, जिनका संचालन भारत में बैठे कर्मचारी करते थे।

ड्रग तस्करी से जुड़े बैंक खातों का डर दिखाते थे

कॉल सेंटर के कर्मचारी पीड़ितों को बताते थे कि उनके बैंक खाते मादक पदार्थों की तस्करी अथवा धनशोधन गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। इसके लिए वे फर्जी पहचान पत्र, बैज, सरकारी पत्र, जब्ती नोटिस और अदालत के दस्तावेजों का इस्तेमाल करते थे। पीड़ितों को गिरफ्तारी और उनकी जमा पूंजी जब्त किए जाने की धमकी दी जाती थी।

सरकारी कार्रवाई से उनकी रकम बचाने का झांसा देकर पीड़ितों से सोने की छड़ें और नकदी सौंपने, कूरियर पार्सल के माध्यम से नकदी भेजने, अमेरिकी बैंक खातों में धनराशि स्थानांतरित करने अथवा उपहार कार्ड खरीदने के लिए कहा जाता था।

927 लेनदेन में 27.39 मिलियन डॉलर की वसूली

ईडी ने जब्त किए गए डिजिटल उपकरणों और व्हाट्सऐप बातचीत का विश्लेषण किया। इसमें जुलाई 2025 से सितंबर 2026 के बीच लगभग 2.739 करोड़ डॉलर यानी करीब 261 करोड़ रुपये के 927 स्वीकृत लेनदेन का पता चला।

यह रकम सोने की छड़ों, नकदी संग्रह, कूरियर पार्सल, बैंक हस्तांतरण, बिटकॉइन और उपहार कार्ड के माध्यम से एकत्र की गई थी।

जांचकर्ताओं ने गिरोह के 549 अमेरिकी नागरिकों को पीड़ित अथवा निशाने पर रखे गए लोगों के रूप में चिह्नित किया है। जब्त उपकरणों में 6,463 अमेरिकी टेलीफोन नंबरों पर किए गए कॉल और संदेशों का रिकॉर्ड भी मिला। गिरोह ने लगभग 20 लाख अमेरिकी टेलीफोन नंबरों का डेटाबेस हासिल किया था, जिसमें लोगों के नाम, पते और उम्र का विवरण था। इन जानकारियों को जर्मनी और फिनलैंड के सर्वरों पर संचालित ऑटो-डायलर प्रणालियों में अपलोड किया गया था।

एक फर्जी कॉल सेंटर में 242 कर्मचारी



जांच में पता चला कि गिरोह संगठित कॉलिंग केंद्रों के माध्यम से काम करता था, जहां कर्मचारियों की अलग-अलग जिम्मेदारियां तय थीं। कर्मचारियों को डायलर, बैंकर और क्लोजर की भूमिकाओं में बांटा गया था। डायलर प्रारंभिक संपर्क करते थे, बैंकर पीड़ितों की वित्तीय जानकारी की जांच करते थे और क्लोजर अमेरिकी अधिकारियों का रूप धारण कर उनसे रकम वसूलते थे।

ईडी के अनुसार, आरोपी प्रणव पिथाड़िया पटियाला स्थित कॉलिंग केंद्रों का मालिक और संचालक था। उसके यहां 242 कर्मचारी काम करते थे, जिनमें 110 डायलर शामिल थे। वह कथित तौर पर भुगतान की मंजूरी, हिसाब-किताब और रकम के निपटान का काम संभालता था तथा अमेरिकी म्यूल खातों और दुबई स्थित खातों के माध्यम से धनराशि स्थानांतरित करने का निर्देश देता था।

इससे पहले 15 सितंबर को ईडी ने पटियाला, पुणे और चंडीगढ़ में चार ठिकानों पर तलाशी ली थी। इस दौरान पटियाला में दो और पुणे में एक सहित कुल तीन सक्रिय फर्जी कॉल सेंटर मिले थे। तलाशी के समय इन परिसरों में लगभग 220 लोग काम कर रहे थे। ईडी ने कार्रवाई के दौरान डिजिटल उपकरण, नकदी और विभिन्न दस्तावेज जब्त किए थे।

फर्जी सरकारी पहचान पत्र और अदालती आदेश बरामद

जब्त किए गए 79 डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं। इनमें 65 मोबाइल फोन, 13 लैपटॉप और कंप्यूटर तथा एक डेटा स्टोरेज डिस्क शामिल थी। इन उपकरणों में व्हाट्सऐप चैट, वित्तीय लेनदेन के बहीखाते, कॉल रिकॉर्ड, पीड़ितों का विवरण और क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट की जानकारियां मिलीं।

जांच में अमेरिकी न्याय विभाग के फर्जी जब्ती नोटिस, अमेरिकी वित्त विभाग के आश्वासन पत्र, संपत्ति जब्ती नोटिस, अमेरिकी अपील न्यायालय का फर्जी आदेश तथा संघीय व्यापार आयोग और अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के नाम से जारी कथित कानूनी नोटिस भी बरामद हुए।

अमेरिकी संघीय एजेंसियों के अधिकारियों और विशेष एजेंटों के नाम से बनाए गए कम से कम 11 फर्जी पहचान पत्र और बैज भी मिले। इसके अलावा 140 अमेरिकी नागरिकों के सामाजिक सुरक्षा नंबर (एसएसएन), जन्मतिथि, पते, बैंकिंग विवरण और ड्राइविंग लाइसेंस की तस्वीरें भी जब्त उपकरणों में पाई गईं। पीड़ितों की पहचान और नकदी संग्रह व कूरियर लेनदेन में इस्तेमाल किए गए पहचान दस्तावेजों की 92 तस्वीरें भी बरामद हुईं।

दुबई, हांगकांग और क्रिप्टो के जरिए 261 करोड़ का लेनदेन

ईडी की जांच में सामने आया कि गिरोह कथित अपराध से अर्जित रकम को ठिकाने लगाने के लिए अमेरिकी बैंक खातों, विदेशी कंपनियों, क्रिप्टोकरेंसी और हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल करता था। जब्त डिजिटल साक्ष्यों में कम से कम 15 बैंकों के 397 अमेरिकी बैंक खातों का पता चला। इनमें वेल्स फार्गो, बैंक ऑफ अमेरिका, एसएसबी बैंक, थ्रेड बैंक, कॉलम एनए और लीड बैंक शामिल हैं।

ये खाते कथित तौर पर गिरोह द्वारा भर्ती किए गए मनी म्यूल, उन पीड़ितों के थे जिनके बैंक खातों पर कब्जा कर लिया गया था अथवा चोरी और फर्जी पहचान के आधार पर संचालित किए जा रहे थे।

गिरोह की रकम दुबई और हांगकांग स्थित कंपनियों के माध्यम से भेजी जाती थी। इसके बाद इसे ट्रॉन नेटवर्क पर यूएसडीटी (टेथर) और बिटकॉइन में बदला जाता था। कई क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट और विदेशी एक्सचेंजों से होते हुए यह रकम हवाला और अंगड़िया माध्यमों से भारत पहुंचाई जाती थी। ईडी के अनुसार, इस धनराशि को संपत्तियों, सोने, वाहनों और कारोबार में निवेश किया गया।

रेस्तरां कंपनी को मिले 23.19 लाख रुपये

ईडी ने चारों नए गिरफ्तार आरोपियों की कथित भूमिकाओं का भी पता लगाया है।

हर्षिल नयनभाई रावल फर्जी कॉल सेंटरों के मुख्य खातों का हिसाब रखता था। वह मुनाफे, साझेदारों के हिस्से और दुबई भेजी जाने वाली रकम का रिकॉर्ड तैयार करता था। उसने कथित तौर पर अपराध से अर्जित धन को संपत्तियों में भी निवेश किया।

जसवंत सिंह अमेरिका में पीड़ितों से नकदी एकत्र करने वाली टीमों और कूरियर पार्सल के माध्यम से रकम की वसूली का समन्वय करता था। वह हवाला और अंगड़िया माध्यमों से इस धनराशि को भारतीय रुपये में बदलने की व्यवस्था करता था।चेतन मुंजाल पर आरोप है कि वह रबडिट्टा कॉरपोरेट्स में 25 प्रतिशत का साझेदार था। यह कंपनी काला घोड़ा रेस्तरां का संचालन करती है। उस पर कॉल सेंटर गतिविधियों को संरक्षण देने और धोखाधड़ी से प्राप्त रकम हासिल करने का आरोप है। जांच के अनुसार, इस कंपनी को कथित अपराध से अर्जित 23.19 लाख रुपये प्राप्त हुए थे।

ईडी इससे पहले 27 जुलाई को विकास निमार, 5 अगस्त को ताराचंद निमार और 10 अगस्त 2026 को मोहम्मद इरफान अंसारी को गिरफ्तार कर चुकी है। ये तीनों फिलहाल चंचलगुड़ा केंद्रीय कारागार में बंद हैं।

धनशोधन की यह जांच भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 318, 336, 340 और 61 के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश के कथित अपराधों से जुड़ी है।

ईडी ने बताया कि अपराध से अर्जित अतिरिक्त धनराशि का पता लगाने, पैसों के लेनदेन की कड़ियों को जोड़ने तथा धनशोधन नेटवर्क में शामिल अन्य व्यक्तियों और संस्थाओं की भूमिका उजागर करने के लिए आगे की जांच जारी है।

खम्मम में बचाव अभियान के दौरान दो नावें पलटीं

11 बचावकर्मी लापता, एनडीआरएफ की टीमें तलाश में जुटीं; मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए युद्धस्तर पर कार्रवाई के निर्देश

हैदराबाद, 04 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के खम्मम जिले में बुधवार को भारी बारिश के कारण उफनते बेतुपल्ली सिंचाई टैंक में बचाव अभियान के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बचाव कार्य में लगी दो नावें तेज बहाव और पानी के अंदर उठती शक्तिशाली लहरों के कारण पलट गईं। इनमें राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवानों, अग्निशमन विभाग के अधिकारियों और स्थानीय मार्गदर्शकों सहित कुल 11 बचावकर्मी सवार थे। हादसे के बाद सभी 11 लोग जलाशय में लापता हो गए।



जानकारी के अनुसार, भारी बारिश के बाद जलाशय में पानी का स्तर तेजी से बढ़ रहा था। इसी दौरान पांच स्थानीय मछुआरे अपनी पकड़ी गई मछलियों को बहने से बचाने और जाल ठीक करने के लिए उफनते जलाशय में उतर गए। पानी का बहाव तेज होने से वे बीच जलाशय में फंस गए।

मछुआरों को बचाने के लिए अग्निशमन विभाग की तीन सदस्यीय टीम नाव लेकर पहुंची, लेकिन नाव का इंजन खराब हो जाने के कारण बचावकर्मी भी वहां फंस गए।

इसके बाद कोठागुडेम से 11 सदस्यीय बचाव दल दो नावों के साथ मौके पर पहुंचा। टीम ने पहले चरण में फंसे हुए अग्निशमन कर्मियों को सफलतापूर्वक सुरक्षित निकाल लिया। इसके बाद जब टीम मछुआरों तक पहुंचने का प्रयास कर रही थी, तभी तेज पानी के बहाव और शक्तिशाली अंतर्धाराओं के कारण दोनों नावें पलट गईं। नावों में सवार सभी 11 बचावकर्मी पानी में बह गए।

अधिकारियों ने संभाली बचाव अभियान की कमान

जिला कलेक्टर दिवाकर टी.एस. और सत्तुपल्ली के विधायक मट्टा रागमयी घटनास्थल पर मौजूद रहकर आपातकालीन बचाव अभियान का समन्वय कर रहे हैं।

भद्राचलम से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमों को भी बचाव कार्य में लगाया गया है। जिला प्रशासन जलाशय में फंसे लोगों तक लाइफ जैकेट पहुंचाने के लिए हवाई ड्रोन की सहायता ले रहा है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की और लापता बचावकर्मियों का पता लगाने तथा उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए प्रशासनिक मशीनरी को पूरी ताकत से काम करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव संजय जाजू को बचाव अभियान के समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिकारियों को चौबीसों घंटे अभियान की निगरानी करने और सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस बीच, जलाशय में फंसे पांचों मछुआरों के तत्काल खतरे से बाहर होने की जानकारी दी गई है। लापता 11 बचावकर्मियों की तलाश के लिए अभियान जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.